RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

13 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार ● 31 अगस्त , 2025 वर्षः-13 अंक-121 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संसद में लगेंगे पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए

● परिसर में संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा ● दो साल पहले सेंगोल स्थापित किया गया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के तीन पहिए लगाए जाएंगे। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की। मंदिर समिति ने बताया कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे। मंदिर समिति की तरफ से उनको यह प्रस्ताव दिया गया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यह तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के रथों से निकाले जाएंगे। भगवान जगन्नाथ के रथ को नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ को दर्पदलन और भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज कहलाता है। इन तीन रथों के एक-एक पहिए दिल्ली भेजे जाएंगे। उन्हें संसद में ओडिशा की संस्कृति और विरासत के स्थायी प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाएगा। 2023 में पीएम मोदी ने लोकसभा में सेंगोल स्थापित किया था संसद में रथ यात्रा के पहिए लगने के बाद यह परिसर में स्थापित संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा। दो साल पहले लोकसभा में सेंगोल लगाया गया था। मई 2023 संसद में स्पीकर की कुर्सी के बगल में पीएम मोदी ने सेंगोल स्थापित किया था। सेंगोल जिसे राजदंड भी कहा जाता है, उसे अंग्रेजों की तरफ से 14 अगस्त 1947 की रात पं. नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के रूप में सौंपा गया था। 1960 से पहले यह आनंद भवन और फिर 1978 से इलाहाबाद म्यूजियम में रखा था। 75 साल बाद राजदंड का संसद में प्रवेश हुआ। संसद परिसर में पुरी रथ यात्रा के किन पहियों को लगाया जाएगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस साल 27 जून को रथयात्रा निकाली गई थी। रथ यात्रा के बाद, तीनों रथों को हर साल अलग कर दिया जाता है। नंदीघोष रथ के मुख्य बढ़ई बिजय महापात्र के अनुसार, कुछ प्रमुख हिस्सों को छोड़कर, हर साल रथों के निर्माण में नई लकड़ी का उपयोग किया जाता है। अलग किए गए रथ के पुर्जों को गोदाम में रखा जाता है और उनमें से कुछ, जिनमें पहिए भी शामिल हैं, नीलाम कर दिए जाते हैं। हर साल 45 फीट ऊंचे तीनों रथ 200 से ज्यादा लोग सिर्फ58 दिनों में तैयार करते हैं।

बिहार के बाद अब बंगाल में एसआईआर की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बाद अब बंगाल में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की सक्रियता देखने को मिल रही है। राज्य में एसआईआर को लेकर आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। दरअसल, आयोग ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय को पत्र लिखकर 29 अगस्त तक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों व सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों के रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट जमा करने को कहा था। वहीं, सीईओ कार्यालय सूत्रों के मुताबिक कुछ कार्य बाकी रहने के कारण निर्धारित समय पर रिपोर्ट जमा नहीं की जा सकी है। अगले एक-दो दिनों में रिपोर्ट जमा की जाएगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने आदेश देते हुए कहा था कि जिस भी मतदाता बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता हैं, वहां नए बूथ तैयार करने होंगे।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को बताया गैर-कानूनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। ट्रम्प ने कई कारणों से टैरिफ लगाए थे।

अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी पड़ गई भारी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ अमित शाह पर टिप्पणी को लेकर एफआईआर दर्ज हुई है। यह एफआईआर कृष्णानगर की कोतवाली पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। मोइत्रा ने इस पर व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घुसपैठ पर की गई टिप्पणी पर गुरुवार को यह बयान दिया था। इसके बाद उन पर मामला दर्ज हुआ। बीजेपी नेताओं ने मोइत्रा की टिप्पणी को घृणित और आपत्तिजनक बताया है। मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर भी पलटवार किया है। महुआ मोइत्रा ने पीएम मोदी के घुसपैठ वाले बयान पर कहा था कि क्या हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाला कोई नहीं है। अगर दूसरे देशों से लोग घुसपैठ कर रहे हैं, हमारी माताओं और बहनों पर बुरी नजर डाल रहे हैं, हमारी जमीन हड़प रहे हैं, तो सबसे पहले अमित शाह का सिर टेबल पर रख देना चाहिए।

घाटी में फिर 'जल' जला

11 की मौत

● अब रामबन में बादल फटा, 4 लोगों की मौत ● कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड,7 शव बरामद ● पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, आठ की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। अन्य लोगों की तलाश जारी है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया। पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। उत्तराखंड के चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में शुक्रवार को बादल फटने की घटनाएं हुईं। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 11 लापता हैं। बागेश्वर के कपकोट में कई घरों को भी नुकसान हुआ है। यूपी के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। राज्य में अब तक 774 मकान बारिश-बाढ़ में ढह चुके हैं। वाराणसी में सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूटा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं। पंजाब के फिरोजपुर सतलुज नदी में उफान के कारण पंजाब का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में है। फिरोजपुर जिले के करीब 100 गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन,एनडीआरएफ, आईटीबीपी और पुलिस लगातार रेस्क्यू में जुटे हैं।

एमपी के रीवा जिले में चोरी हो गए 3 तालाब!

● तलाशने वाले को ईनाम की घोषणा, थाने में शिकायत ● गांवों में हुई मुनादी, अपने तालाबों की सुरक्षा खुद करें

भोपाल। एमपी के रीवा जिले की अमलिया और मनीराम पंचायत में ग्रामीण ढोलक लेकर मुनादी कर रहे हैं कि उनकी लोग अपने-अपने खेतों व आसपास बने अमृत सरोबर और तालाबों की हिफाजत खुद करें। अन्यथा वे चोरी हो सकते हैं! इन पंचायतों में अमृत सरोबर सहित तीन तालाब चोरी होने की शिकायत बाकायदा थाने में कराई गई है। मामले में कलेक्टर ने जांच के आदेश भी दिए हैं। ग्रामीणों ने तालाब खोजने वालों को इनाम देने की भी घोषणा की है। रीवा की पंचायतों में कुछ युवा और ग्रामीण समूह बनाकर चोरी गए अमृत सरोबर, खेत तालाब और बांध वाले तालाबों के आसपास चौकसी करते नजर आ रहे हैं। इस आशय के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। जिले की पूर्वा मनीराम पंचायत और उससे सटी अमिलिया पंचायत में ग्रामीणों का कहना है कि हम कल तक लबालब भरे अमृत सरोबर में मछली पकड़ते थे, लेकिन सुबह आए तो तालाब गायब था।

यूएस टैरिफ के बावजूद भारत की बल्ले-बल्ले

पीयूष बोले-अबकी पिछले साल से ज्यादा होगा भारतीय एक्सपोर्ट

● गोयल ने कहा-हम न तो झुकेंगे और न ही कभी कमजोर दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनियन मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दावा किया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का इस साल पिछले साल से ज्यादा एक्सपोर्ट होगा। दिल्ली में एक इवेंट में पीयूष गोयल ने यह बात कही है। पीयूष गोयल ने कहा कि हमें अपना एक्सपोर्ट बास्केट और बड़ा करना होगा। ताकि किसी एक देश के एकतरफा फैसले का असर ना पड़े। उन्हें उम्मीद है कि नए रिफॉर्म से घरेलू डिमांड को भी बूस्ट मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक किसी सेक्टर ने टैरिफ को लेकर कोई रोना-धोना नहीं किया है। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में भारत का टोटल एक्सपोर्ट 824.9 बिलियन डॉलर यानी 72.71 लाख करोड़ रुपए के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया था। गोयल ने कहा कि सरकार एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही कई उपाय लाएगी। गोयल ने आगे कहा कि एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए यूरोपियन यूनियन के साथ बातचीत जारी है। कतर, न्यूजीलैंड, पेरू और चिली के साथ भी जल्द ही डील हो जाएगी। फिलहाल यूएस टैरिफ की वजह से खास चिंता की बात नहीं है। हम साथ मिलकर आगे बढ़ते रहेंगे।

सात साल बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी

● जबरदस्त स्वागत, एससीओ समिट में होंगे शामिल ● जिनपिंग और पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे

बीजिंग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की जापान यात्रा के बाद शनिवार को एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन पहुंच गए हैं। वे सात साल बाद चीन पहुंचे हैं। एससीओ समिट से इतर पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में भारत दौरे के प्रोग्राम पर भी चर्चा होगी। पीएम मोदी की यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब पूरी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है। ट्रम्प ने भारत पर 50 फीसदी तो चीन पर 30 फीसदी टैरिफ लगाया है। चीन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ समिट की बैठक होने वाली है। इसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे। सीएनएन के मुताबिक शी जिनपिंग इस शिखर सम्मेलन के जरिए अमेरिकी टैरिफ से राहत दिलाने वाला, एक स्थाई और वैकल्पिक देश के तौर पर पेश करने की है और इसे वो दोनों हाथों से भुनाने की कोशिश कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन की सबसे खास बात ये होने वाली है कि इसमें भारत और पाकिस्तान जैसे कट्टर विरोधी, ईरान और सऊदी अरब जैसे ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्वी भी शामिल हो रहे हैं। सीएनएन ने एक्सपर्ट्स के हवाले से कहा है कि यही विविधता एससीओ की सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि यह दिखाता है कि बीजिंग, एशिया-यूरोप क्षेत्र में इतना प्रभावशाली हो चुका है, कि वह विरोधियों को भी एक ही टेबल पर बैठाकर बातचीत करवा सकता है। पाकिस्तान की यूनिवर्सिटी ऑफ लाहौर की विशेषज्ञ राबिया अख्तर ने सीएनएन से कहा है कि बीजिंग मेजबान है।

9 दिन बाद लौटा 'मरा हुआ' युवक!

● खजाना ढूंढ़ने निकला था, तांत्रिक पकड़े गए तो खुद ही लौट आया

भोपाल। ग्वालियर में एक युवक ऑनलाइन लोन के चक्कर में फंस गया। कर्ज से परेशान होकर वह तांत्रिकों के पास गया। तांत्रिकों ने उसे कर्ज से मुक्ति और गड़ा खजाना दिलाने का लालच दिया। इस लालच में आकर युवक ठगी का शिकार हो गया। कर्ज से परेशान होकर वह आठ दिन तक घर से बाहर घूमता रहा। उसने पुलिस और परिवार को गुमराह करने के लिए सुसाइड करने का ऑडियो भी वायरल किया। लेकिन उसकी चालाकी काम नहीं आई। पुलिस ने उसे ढूंढ़ निकाला। दरअसल, माधौगंज थाना क्षेत्र के लाला का बाजार का रहने वाला विक्की शिवहरे आठ दिन पहले लापता हो गया था। विक्की बेरोजगार था और उसने 3 लाख रुपये का ऑनलाइन लोन लिया था। लोन चुकाने में परेशानी हो रही थी। इसलिए फाइनेंस कंपनियां उसे परेशान कर रही थीं। कर्ज से छुटकारा पाने के लिए विक्की झांसी के तांत्रिक कल्लू और पुरानी छावनी के शकील के चक्कर में पड़ गया। इन तांत्रिकों ने उसे कर्ज से मुक्ति, गड़ा खजाना और महंगी कार दिलाने का वादा किया। इसके बदले उन्होंने उससे 15 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने विक्की को संजय कॉम्पलेक्स में उसके दोस्त की दुकान से पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह बैंक के रिकवरी वालों से परेशान था। उसने अपने दोस्त राहुल और एक परिचित से भी पैसे उधार लिए थे लेकिन उन्होंने पैसे नहीं दिए और मारपीट कर भगा दिया। इसलिए वह घर नहीं लौटा और रेलवे स्टेशन और कैंसर पहाड़ी के जंगल में छिपता रहा। विक्की ने पुलिस और परिवार को गुमराह भी किया।

ह्यूमन जीपीएस नाम से मशहूर आतंकी ढेर

● 25 सालों में 100+ घुसपैठ में मदद कराई थी ● गुरेज में दो दिन पहले एनकाउंटर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षाबलों ने ह्यूमन जीपीएस के नाम से मशहूर आतंकी बागू खान को मार गिराया है। बागू खान समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था। अधिकारियों को उसका पहचान पत्र भी मिला है। सूत्रों के अनुसार, बागू खान 1995 से पाक अधिकृत कश्मीर में रह रहा था। वह 25 सालों से आतंकी गतिविधियों में एक्टिव था और घुसपैठ के सबसे पुराने मददगारों में से एक था। वह 100 से ज्यादा घुसपैठ की घटनाओं में शामिल था। बागू खान जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के सभी रास्तों से वाकिफ था और पकड़े जाने से बचने के तरीके भी पता थे। इसलिए उसे ह्यूमन जीपीएस नाम दिया गया। वह सुरक्षा एंजेसियों की लिस्ट में हिजबुल मुजाहिदीन का मोस्ट वांटेड आतंकी था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की 28 अगस्त को बागू खान के साथ गुरेज सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश के दौरान मुठभेड़ हुई थी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 31 अगस्त , 2025

जिला अस्पताल में बदइंतज़ामी, आईसीयू और एचडीयू वार्ड में पानी भरने से मरीजों की जान खतरे में

खरगोन। स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को उजागर करती हैं। जिला अस्पताल, जिसे लोगों की जान बचाने और इलाज के लिए सबसे सुरक्षित जगह माना जाता है, खुद मरीजों के लिए खतरे का सबब बन गया। देर रात हुई झमाझम बारिश ने अस्पताल की पोल खोलकर रख दी। बारिश का पानी अस्पताल के अंदर इस कदर घुसा कि आईसीयू और एचडीयू वार्ड तालाब जैसे नजर आने लगे। जिन वार्डों को मरीजों की जान बचाने के लिए बनाया गया था, वहीं पानी में डूबे हुए बिस्तरों पर इलाज चलता रहा। डॉक्टर और नर्सें पानी में खड़े होकर मरीजों को संभालते रहे और बेबस मरीज भय और असुविधा से जूझते रहे। वार्डों में पानी भरने से जीवनरक्षक सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हुईं। मशीनों और इलेक्ट्रिक उपकरणों पर खतरा मंडराने लगा। मरीजों को समय पर ऑक्सीजन और दवाइयां देने में दिक्कतें आईं। अस्पताल प्रशासन इस स्थिति के लिए पहले से तैयार नहीं दिखा और जब हालात बिगड़े तो नगर पालिका की टीम को मौके पर बुलाना पड़ा। इसके बावजूद किसी वरिष्ठ अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति की सुध नहीं ली। यह पहली बार नहीं है जब खरगोन जिला अस्पताल में इस तरह की लापरवाही सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के दौरान अस्पताल में पानी भरने की समस्या होती है। कई बार मीडिया और जनप्रतिनिधियों के सामने यह मुद्दा उठ चुका है, लेकिन न तो स्थायी समाधान की दिशा में कोई कदम उठाया गया और न ही अस्पताल की व्यवस्था में कोई बड़ा सुधार देखने को मिला। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब अस्पताल जैसा महत्वपूर्ण संस्थान ही बारिश और जलभराव से सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की जान की सुरक्षा कौन करेगा। विकास और स्वास्थ्य सेवाओं के दावों के बीच ऐसी घटनाएं न सिर्फ सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि जमीनी स्तर पर लापरवाही कितनी गहरी है। मरीजों और उनके परिजनों की जिंदगी दांव पर लगी रही और प्रशासन मूकदर्शक बना रहा।

जल निगम में जमा बैंक गारंटियों की होगी सीबीआई जांच

ठेकेदारों की बैंक गारंटी फर्जी होने की जांच सौंपी, गृह विभाग ने दी परमिशन

भोपाल। प्रदेश में जल जीवन मिशन के कामों में गड़बड़ी और कमीशनबाजी के खुलासे के बीच अब जल निगम के कामों का ठेका लेने वाले ठेकेदारों द्वारा फर्जी बैंक गारंटी का उपयोग करने का मामला सामने आया है। इसके चलते हाईकोर्ट द्वारा दो ठेकेदारों के विरुद्ध सीबीआई जांच कराने के आदेश के आधार पर प्रदेश के एक अन्य ठेकेदार के

विरुद्ध भी जांच की सहमति गृह विभाग ने दी है। विभाग ने कहा है कि सीबीआई की टीम इस तरह के मामले में प्रदेश भर में जांच कर सकती है। गृह सचिव कृष्णा वेणी देशावतु के अनुसार जल निगम के कामों में गड़बड़ी को लेकर हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश के आधार पर यह सहमति दी गई है। इसमें कहा गया है कि जल निगम की परियोजनाओं मजोदिया मल्टी विलेज स्कीम तथा लखुंदर मल्टी विलेज स्कीम की तरह ही ठेकेदार मध्यप्रदेश बावरिया अंकिता कंस्ट्रक्शन द्वारा फर्जी बैंक गारंटी पेश की गई हैं। इसलिए इसकी जांच करना प्रस्तावित है। इसलिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 की शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य शासन इस मामले की जांच करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्ति और क्षेत्राधिकार का विस्तार राज्य में करने के लिए सहमति देता है। गृह विभाग की सचिव कृष्णावेणी देशावतु की ओर से इसको लेकर जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि एमपी जल निगम की विभिन्न परियोजनाओं में ठेकेदारों द्वारा फर्जी बैंक गारंटी पेश करने को लेकर इसी साल तीन याचिकाएं तीरथ गोपीकोन लिमिटेड विरुद्ध एमपी जल निगम हाईकोर्ट में लगाई गई हैं। इस मामले में उच्च न्यायालय ने 5 मई 2025 को जारी आदेश में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर सीबीआई जांच के लिए आदेशित किया था। गृह सचिव के आदेश में कहा है कि पीएनबी शाखा कोलकाता बागुईहाटी (उत्तर 24 परगना) पश्चिम बंगाल 700059 द्वारा जारी बैंक गारंटी के मामले में 20 मार्च 2023 को पुलिस स्टेशन रावजी बाजार इंदौर में शिकायत दर्ज कराई गई थी। दोनों ही पक्ष राज्य से संबंध रखते हैं लेकिन धोखाधड़ी किसी अन्य राज्य में होना पाया है। हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच करने के लिए आदेशित किया जिसमें पता करना है कि याचिका दायर करने वाले को वास्तव में तीसरे पक्ष द्वारा धोखा दिया गया है या याचिका करने वाले ने प्रतिवादी को धोखा दिया है।

सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी के हाथ एमसीए की कमान

महानआर्यमन के सामने कोई फॉर्म नहीं,सबसे युवा अध्यक्ष बनेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (ख्क्ष्) की कमान सिंधिया परिवार की तीसरी पीढ़ी की हाथ में होगी। महानआर्यमन सिंधिया का ख्क्ष् प्रेसिडेंट बनना तय हो गया है। एमपीसीए चुनाव के लिए शनिवार को नामांकन की अंतिम तिथि थी, लेकिन महानआर्यमन के अलावा प्रेसिडेंट पद के लिए अन्य किसी ने भी नामांकन नहीं भरा है। इससे पहले माधवराव सिंधिया और ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मप्र क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। महानआर्यमन एमपीसीए के सबसे युवा अध्यक्ष होंगे। एमपीसीए की नई कार्यकारिणी का चुनाव 2 सितंबर को होना है। 30 अगस्त तक नामांकन की अंतिम तिथि थी। नई कार्यकारिणी मंगलवार को एमपीसीए की एजीएम में तीन साल के लिए चुन ली जाएगी। एजीएम में शामिल होने के लिए ज्योतिरादित्य सिंधिया और महानआर्यमन 1 सितंबर को इंदौर पहुंच जाएंगे। 2019 में यह रहा था परिणामः निर्विरोध रूप से अभिलाष खांडेकर अध्यक्ष, रमणीक सलूजा उपाध्यक्ष, सिद्धियानी पाटनी सहसचिव चुनी गई थी। सचिव पद के लिए संजीव राव ने अमिताभ विजयवर्गीय को 17 और कोषाध्यक्ष पद के लिए पवन जैन ने प्रेमस्वरूप पटेल को 78 वोटों से हराया था। क्रिकेट कमेटी में प्रशांत द्विवेदी ने सर्वाधिक 171, योगेश गोलवलकर ने 148 और मुर्तजा अली ने 137 वोट के साथ जीत दर्ज की थी। देवाशीष निलोसे को 115 और सुनील लाहोरे को 38 वोट मिले थे। कार्यकारिणी सदस्य के चार पदों पर अक्षय धाकड़, धीरज श्रीवास्तव, रघुराज सिंह चौरड़िया, संग्राम कदम निर्विरोध चुने गए थे।

'स्वदेशी से स्वावलंबन संगोष्ठी', जनअभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के बीच एमओयू, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन बोले स्वदेशी अपनाना ही सच्ची राष्ट्रसेवा

भोपाल। राजधानी में शनिवार को आयोजित 'स्वदेशी से स्वावलंबन' संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वदेशी वस्तुओं को केवल उत्पाद नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता, धरोहर और गौरव का प्रतीक बताते हुए कहा कि जब हर नागरिक स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेगा तो यही हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा और यही सच्चे अर्थों में राष्ट्र सेवा होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया ÷वोकल फॉर लोकल÷ अभियान भारतीयता की इसी भावना को नई दिशा दे रहा है और हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर कर रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित इस राज्य स्तरीय संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत तुलसी का पौधा भेंट कर किया गया। संगोष्ठी में मुख्यमंत्री ने जनअभियान परिषद द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी अभियान के पोस्टर और ब्रोशर का विमोचन भी किया। इस ब्रोशर में देशी उत्पादों की सूची दी गई है ताकि लोग उन्हें आसानी से पहचान सकें और अपनाएं। इस मौके पर एक बड़ा कदम उठाते हुए जन अभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू स्वदेशी उत्पादों के प्रचार-प्रसार और जनजागृति को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में दोनों संगठनों ने इस समझौते का आदान-प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि विदेशी उत्पादों की तुलना में हमारे देशी उत्पाद अधिक मजबूत, टिकाऊ और किफायती हैं। जब हम इन्हें खरीदते हैं तो इससे हमें आर्थिक लाभ मिलता है और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। उन्होंने आह्वान किया कि हर भारतीय न केवल स्वयं स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करे। यही देशभक्ति का सच्चा रूप है और यही राष्ट्र निर्माण का मार्ग है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मुख्यमंत्री ने शपथ दिलाई कि वे अपने जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है और हमें इस दिशा में कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। स्वदेशी वस्तुओं का अधिकाधिक उपयोग ही आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सबसे बड़े फ्लाईओवर पर रील और स्टंटबाजी करने वालों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 190 चालान काटे गए, 83 हजार का जुर्माना, दोबारा हरकत की तो सीधे होगी FIR

जबलपुर/भोपाल। मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और नया फ्लाईओवर, जिसका लोकार्पण केंद्रीय भूतल परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 23 अगस्त को किया था, अब युवाओं के लिए स्टंट और रील बनाने का अड्डा बनता जा रहा है। लेकिन इन खतरनाक हरकतों पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पिछले एक हफ्ते में ही पुलिस ने स्टंटबाजी और रील बनाने वाले 190 युवकों के चालान काट दिए। इन पर 83 हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया है। यही नहीं, पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि अगर अब किसी ने फ्लाईओवर पर रील बनाने की कोशिश की तो सीधे उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। दरअसल, फ्लाईओवर शुरू होने के कुछ ही दिनों में यहां बाइक और कार पर स्टंट करने, हुड़दंग मचाने और खतरनाक रीलें शूट करने का सिलसिला शुरू हो गया। यहां तक कि एक बाइक पर छह-छह युवक सवार होकर दौड़ लगाते देखे गए, जबकि कई कारों से जोर-जोर से म्यूजिक बजाते हुए युवकों ने फ्लाईओवर पर हंगामा किया। राहगीरों ने इन घटनाओं के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। वीडियो वायरल होने के बाद जबलपुर पुलिस हरकत में आई और लगातार कार्रवाई करते हुए एक हफ्ते के भीतर 190 स्टंटबाजों और रीलबाजों को पकड़कर चालान कर दिया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने भी शहरवासियों से अपील की है कि अगर कहीं कोई स्टंटबाजी करता है या फ्लाईओवर पर इस तरह की खतरनाक हरकतें होती हैं तो उनके वीडियो बनाकर महापौर हेल्पलाइन पर भेजें। ताकि दोषियों पर तुरंत कार्रवाई हो सके। नगर निगम की टीम भी लगातार फ्लाईओवर पर कार्रवाई कर रही है। गंदगी फैलाने वालों, ठेले लगाकर चाट-फुल्की बेचने वालों पर भी जुर्माना लगाया जा रहा है। फ्लाईओवर का निर्माण लोगों की सुविधा और ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए किया गया था, लेकिन इसके उद्घाटन के महज कुछ ही दिनों बाद यह जगह रील और स्टंटबाजों का केंद्र बन गई। पुलिस की यह सख्ती अब उन युवाओं के लिए बड़ा सबक है जो अपनी जान के साथ-साथ दूसरों की जिंदगी को भी खतरे में डालते हुए सड़कों पर स्टंट करते हैं। सवाल यह भी है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई के बाद यह फ्लाईओवर सच में जनता के काम आएगा या फिर यहां बार-बार ऐसे मामले सामने आते रहेंगे।

108 एंबुलेंस सेवा का काला सच उजागर, देर से पहुंचने और दुरुपयोग के कारण दो जिंदगियां गईं

पन्ना। मध्य प्रदेश की 108 एंबुलेंस सेवा, जिसे 'जीवनरक्षक सेवा' के नाम से जाना जाता है, अब लोगों की जान बचाने के बजाय उनकी जान लेने का कारण बनती दिख रही है। जिले से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें एंबुलेंस की लापरवाही और बदहाल स्थिति ने मरीजों और उनके परिवारों का भरोसा तोड़ दिया है। हाल की दो घटनाओं ने इस सेवा की असलियत को सामने लाकर रख दिया, वहीं एक वायरल वीडियो ने इसके घोर दुरुपयोग की तस्वीर पेश की है। सबसे दर्दनाक घटना बांधी गांव में हुई, जहां एक गर्भवती महिला को समय पर एंबुलेंस नहीं मिल पाई। महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई और उसने घर पर ही जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। प्रसव के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन एंबुलेंस इतनी देर से पहुंची कि महिला और उसकी एक नवजात बच्ची की मौत हो गई। एक बच्ची किसी तरह बच गई, लेकिन इस घटना ने 108 सेवा की संवेदनहीनता और कुप्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इससे पहले मकरी कुठार गांव में भी ऐसी ही लापरवाही देखने को मिली। यहां एक गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस बुलाई गई, लेकिन रास्ते में ही एंबुलेंस का टायर पंचर हो गया। नतीजा यह हुआ कि महिला को घर पर ही बच्चे को जन्म देना पड़ा। यह घटना साफ दिखाती है कि एंबुलेंस सेवा न सिर्फ देर से पहुंच रही है, बल्कि वाहनों की तकनीकी हालत भी बेहद खराब है। इन घटनाओं से गुस्से में उबल रहे लोगों के बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में 108 एंबुलेंस (क्रमांक सीजी 04 एनयू 5246) मरीजों की जगह टायर और अन्य सामान ढोते हुए दिखाई दी। जिस वाहन का इस्तेमाल जिंदगी बचाने के लिए होना चाहिए था, वही निजी कामों और माल ढुलाई के लिए टैक्सी की तरह इस्तेमाल हो रहा है। यह दृश्य लोगों की पीड़ा और गुस्से को और गहरा कर गया।स्थानीय निवासियों का कहना है कि 108 सेवा केवल कागजों और सरकारी बयानों में 'जीवनरक्षक' है, जबकि हकीकत में यह लापरवाही और भ्रष्टाचार का जाल बन चुकी है। लोग सड़क पर दम तोड़ते हैं, गर्भवती महिलाएं घरों में बच्चों को जन्म देने पर मजबूर होती हैं और एंबुलेंस चालक इसे निजी कमाई का जरिया बना लेते हैं। इन घटनाओं ने प्रशासन और सरकार दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर क्यों बार-बार ऐसी दर्दनाक घटनाएं सामने आती हैं, और क्यों इस सेवा की निगरानी और जवाबदेही तय नहीं की जाती। लोगों की मांग है कि दोषी कर्मचारियों और ठेकेदारों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी की जान इस लापरवाही की भेंट न चढ़े।

जिस 6 एकड़ जमीन पर कब्जा, उसकी कीमत 20 करोड़

3 मंजिला स्कूल बिल्डिंग भी जद में, मछली परिवार की पड़ताल शुरू

भोपाल। भोपाल के अनंतपुरा कोकता में पशुपालन विभाग की 65 में से करीब 6 एकड़ जमीन में कब्जा साबित हो गया है। इस जमीन की मौजूदा बाजार कीमत 20 करोड़ रुपए से अधिक है। वहीं, इस पर अभी करोड़ों रुपए का स्ट्रक्चर खड़ा है। एक मीडिल स्कूल की 3 मंजिला बिल्डिंग भी कब्जे की जद में है। जिस पर मछली परिवार के दखल की पड़ताल भी शुरू हो गई है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, डायमंड सिटी में 3 मंजिला स्कूल बिल्डिंग है, जो डेढ़ से दो हजार स्क्वायर फीट जमीन पर बनी है। अफसरों को आशंका है कि इस स्कूल बिल्डिंग पर मछली परिवार का सीधे तौर पर नहीं, पर दखल जरूर है। इसलिए बिल्डिंग से जुड़ी सभी जांच की जा रही है। हालांकि, मछली परिवार से

जुड़े वकील पहले ही गोविंदपुरा एसडीएम को लिखित में दे चुके हैं कि उनकी सीमांकन कार्रवाई में अनपात्ति है। शावेज अहमद की ओर से वकील विशेष नामदेव ने एसडीएम को आवेदन दिया कि मेरे या मेरे परिजनों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खसरा नंबर-43, 44, 49/19, 50/21, 51/8, 54/43, 55/44, 57/43, 58/8, 60/36, 79/3 पर कभी कोई स्वामित्वाधिकार, कब्जा या अतिक्रमण नहीं रहा है और न ही वर्तमान में है। यदि किसी कारणवश मेरे या परिवार के विरुद्ध उक्त भूमि संबंधित कब्जे या अतिक्रमण का संदेह, अभियोग प्रस्तुत किया गया है तो वह पूर्णतः असत्य, निराधार और विधिक दृष्टि से अवैध है। इस जमीन के सीमांकन, जांच या किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई में मेरी या परिवार की वैधानिक कार्रवाई में कोई आपत्ति नहीं है। गोविंदपुरा एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव के अनुसार, सीमांकन करने के बाद अब रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जो जल्द ही वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

मध्यप्रदेश में गृह विभाग के नए मुखिया को लेकर सस्पेंस, वरिष्ठ अफसरों के नामों पर चर्चा तेज

भोपाल। मध्यप्रदेश में नौकरशाही के बड़े फेरबदल की आहट सुनाई देने लगी है। मुख्य सचिव को एक साल का एक्सटेंशन मिलने के बाद अब प्रदेश का ध्यान इस बात पर टिक गया है कि राज्य के गृह विभाग का अगला मुखिया कौन होगा। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) जेएन कंसोटिया कल सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनकी रिटायरमेंट के साथ ही नए होम एसीएस के चयन को लेकर मंत्रालय और प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। गृह विभाग जैसे संवेदनशील विभाग की कमान किस वरिष्ठ अधिकारी को सौंपी जाएगी, इसे लेकर कई नाम सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार एसीएस राजेश राजौरा को गृह विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने की संभावना प्रबल है। वहीं इस दौड़ में एसीएस अनुपम राजन, एसीएस अशोक वर्णवाल और एसीएस केसी गुप्ता के नाम भी चर्चा में बने हुए हैं। इनमें से किसी एक को गृह विभाग की कमान सौंपी जा सकती है। प्रदेश की प्रशासनिक सर्जरी केवल गृह विभाग तक सीमित नहीं रहने वाली। बताया जा रहा है कि अगले सप्ताह मंत्रालय से लेकर जिलों तक बड़े स्तर पर फेरबदल हो सकते हैं। कई जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं और मंत्रालय में भी प्रभारों के वितरण में बदलाव देखने को मिल सकता है। सूत्रों का मानना है कि विधानसभा चुनाव से पहले सरकार चाहती है कि प्रशासनिक ढांचे को चुस्त-दुरुस्त किया जाए और प्रमुख विभागों की कमान ऐसे अफसरों को दी जाए जिनकी छवि मजबूत और कार्यशैली प्रभावी मानी जाती है। गृह विभाग का दायित्व मिलने के बाद नया एसीएस न केवल कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ी चुनौती झेलेगा बल्कि प्रदेश में बढ़ते अपराधों और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाने का जिम्मा भी उसके कंधों पर होगा।

बड़ी कार्रवाईः डीजल में पानी और स्टॉक गड़बड़ी पकड़ी गई, पेट्रोल पंप सील, 5,944 लीटर डीजल जब्त

सीहोर। मिलावटखोरी और अनियमितताओं के खिलाफ खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के लुनिया चौराहे पर स्थित वर्मा पेट्रोल पंप पर छापेमारी के दौरान डीजल में पानी की मिलावट और स्टॉक में भारी गड़बड़ी उजागर हुई। कार्रवाई के दौरान विभागीय टीम ने करीब 5,944 लीटर डीजल जब्त किया है, जिसकी कीमत 5 लाख 45 हजार 81 रुपये आंकी गई है। मामला तब और गंभीर हो जाता है क्योंकि जांच के दौरान पाया गया कि अंडरग्राउंड टैंक में रखे गए डीजल में 10.5 सेंटीमीटर तक पानी मिला हुआ था। इसके अलावा स्टॉक रजिस्टर और ऑनलाइन स्टॉक में 4 प्रतिशत से अधिक का अंतर सामने आया, जो स्पष्ट रूप से बड़े स्तर पर अनियमितता और हेराफेरी की ओर इशारा करता है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह मिलावट उपभोक्ताओं को सीधे नुकसान पहुंचाने वाली थी, क्योंकि पानी मिले डीजल से वाहन खराब होने के साथ ही हादसों की आशंका भी बनी रहती है। जांच पड़ताल में सिर्फ मिलावट ही नहीं बल्कि सुरक्षा से जुड़ी खामियां भी सामने आईं। पेट्रोल पंप पर मुफ्त हवा की सुविधा उपलब्ध नहीं थी, वहीं आग से बचाव के लिए लगाए गए अग्निशमन यंत्र भी समयसीमा समाप्त हो जाने के कारण निष्क्रिय पाए गए। इन तमाम अनियमितताओं के चलते विभाग ने डीजल डिस्पेंसिंग मशीन को तत्काल सील कर दिया और पूरा स्टॉक जब्त कर लिया। खाद्य विभाग के सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी आकाश चंदेल ने बताया कि यह कार्रवाई जिला आपूर्ति अधिकारी, नापतौल निरीक्षक और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की टीम ने मिलकर की। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे प्रदेश में इस तरह की सख्ती जारी रहेगी। गौरतलब है कि रतलाम में पिछले महीने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले में शामिल गाड़ियों में पानी मिला डीजल मिलने की घटना सामने आई थी। तभी से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग पूरे प्रदेश में पेट्रोल पंपों की जांच अभियान चला रहा है। इस कार्रवाई के बाद सीहोर समेत आसपास के जिलों में पेट्रोल पंप संचालकों में हड़कंप मच गया है। उपभोक्ता भी अब सावधान हो गए हैं और विभाग से उम्मीद जता रहे हैं कि इस तरह की सख्ती लगातार बनी रहनी चाहिए ताकि उन्हें शुद्ध ईंधन मिल सके और उनके वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अफसरों के बीच टकराव का मामला, SDM को धमकी भरा फोन, आरोप महिला SDO पर, लेडी अफसर ने कहा- मैंने कॉल नहीं करवाया

उज्जैन। जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां प्रशासनिक अफसरों के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। बड़नगर के एसडीएम धीरेंद्र पाराशर को एक अनजान नंबर से धमकी भरा फोन आया, जिसमें उन्हें देख लेने की बात कही गई। इस घटना से हड़कंप मच गया और एसडीएम ने तुरंत इसकी लिखित शिकायत थाना प्रभारी को दी। शिकायत में उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि इस धमकी भरे कॉल के पीछे पीडब्ल्यूडी विभाग की महिला एसडीओ साक्षी टंटवाई का हाथ है। घटना 27 अगस्त की बताई जा रही है, जब देर शाम एसडीएम के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने न सिर्फ अपशब्द कहे बल्कि एसडीएम को अंजाम भुगतने की भी धमकी दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि कॉल भोपाल से की गई थी और इसमें महिला एसडीओ का नाम भी घसीटा गया है। दूसरी ओर आरोपों से घिरीं पीडब्ल्यूडी की एसडीओ साक्षी टंटवाई ने सभी दावों को खारिज कर दिया। उनका कहना है कि उन्होंने न तो किसी को कॉल करवाया और न ही धमकी दिलवाई। यह सब उनके खिलाफ एक साजिश हो सकती है। पूरे मामले का प्रतिवेदन उज्जैन के जिलाधीश को भेजा गया है। यह मामला अब प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर एसडीएम धमकी भरे फोन को लेकर गंभीर हैं, तो दूसरी ओर महिला एसडीओ खुद को निर्दोष बता रही हैं। फिलहाल पुलिस कॉल करने वाले शख्स की तलाश में जुट गई है ताकि सच सामने आ सके। यह घटनाक्रम न केवल जिले की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि अफसरों के बीच आपसी अविश्वास और आरोप-प्रत्यारोप से सरकारी कामकाज कैसे प्रभावित हो सकता है। अब देखना होगा कि जांच आगे बढ़ने पर किसका सच सामने आता है–एसडीएम की आशंका या महिला अफसर की सफाई।

दस्तक अभियान के तहत चिन्हित सभी कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराएं

हरदा (निप्र)। दस्तक अभियान के तहत चिन्हित कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. में भर्ती कराया जाए। सभी गर्भवती महिलाओं का प्रथम त्रैमास में ही शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें। सभी हाई रिस्क महिलाओं की पहचान कर उनका नियमित प्रबन्धन करें तथा नियमित रूप से फालोअप भी लें। यह निर्देश जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रवीण इवने ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, डीएचओ डॉ. सुनिल द्विवेदी, प्रमुख खण्ड चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी, ए.एन.एम., सीएचओ उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए

बैठक में श्री इवने ने निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं व बच्चों का शतप्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। शिशु मृत्यु के कारणों की पहचान अनिवार्य रूप से की जाए ताकि शिशु मृत्यु के कारणों का निराकरण किया जा सके। टेलीकंसल्टेंसी के लिये सभी चिकित्सकों की आईडी तैयार की जाए ताकि नागरिकों को टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से सही चिकित्सकीय सलाह व उपचार मिल सके।

दैनिक
सद्भावना पाती
इंदौर पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर और आसपास के जिलों में बारिश बनी आफत, तेज बहाव में बहते-बहते बचे बच्चे और बाइक सवार, गूगल मैप की गलती से बैतूल में लोग फंसे उफनती नदी में

इंदौर। प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने कई जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इंदौर जिले के महू क्षेत्र में बारिश का ऐसा कहर देखने को मिला जिसने लोगों की सांसें थाम दीं। कोदरिया इलाके की रामनगर पुलिया पर पानी का बहाव इतना तेज था कि पुलिया पार करते समय दो बच्चे और एक व्यक्ति अचानक बह गए। यह घटना उस वक्त हुई जब दोनों बच्चे कोचिंग से पढ़कर अपने घर चौरडिया लौट रहे थे। जैसे ही वे पुलिया पार कर रहे थे, अचानक पानी का तेज बहाव उन्हें बहाकर नदी की ओर ले गया। साथ में एक व्यक्ति भी इस जलधारा में फंस गया। हालांकि मौके पर मौजूद ग्रामीणों की सूझबूझ और बहादुरी ने एक बड़ा हादसा होने से टाल दिया। तीनों ने नदी के बीच मौजूद एक पेड़को पकड़कर किसी तरह खुद को बहने से बचाए रखा। इसी दौरान ग्रामीणों ने तुरंत रस्सी फेंकी और पूरी हिम्मत दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बच्चों को बचाने का यह वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग ग्रामीणों की बहादुरी की सराहना कर रहे हैं। इसी तरह खरगोन जिले में भी बारिश का कहर देखने को मिला जहां एक बाइक सवार पानी के तेज बहाव में बह गया। हालात यह बने कि लोग अपनी जान जोखिम में डालकर उसे बचाने में जुटे। वहीं बैतूल जिले में गूगल मैप की एक गलती ने यात्रियों को मुसीबत में डाल दिया। मैप के बताए रास्ते पर भरोसा कर लोग जब निकले तो वह रास्ता सीधे एक उफनती नदी तक जा पहुंचा। पानी के तेज बहाव में वाहन फंस गए और यात्रियों को घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ी। लगातार हो रही बारिश से प्रदेश में नदी-नालों का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। प्रशासन लगातार अलर्ट जारी कर रहा है और लोगों से अपील कर रहा है कि वे किसी भी हाल में पुलिया या नदी-नालों को पार करने का जोखिम न उठाएं। इसके बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं जिससे हादसे बढ़ रहे हैं। इंदौर, खरगोन और बैतूल की ये घटनाएं इस बात का सबूत हैं कि बरसात के मौसम में सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

नेपा लिमिटेड में 17.6 करोड़ का फर्जीवाड़ा, पूर्व चेयरमैन समेत चार पर मुकदमा दर्ज, निवेशक से झांसे में लेकर ठगा पैसा

इंदौर। नेपानगर स्थित नेपा लिमिटेड (नेशनल न्यूज़ प्रिंट एंड पेपर मिल्स लिमिटेड) से जुड़ा एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। कंपनी के नाम पर दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। कोतवाली सेक्टर-39 थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार तत्कालीन चेयरमैन समेत चार लोगों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। आरोपियों ने एक व्यापारी को पेपर स्टॉक सप्लाई का ठेका दिलाने का झांसा देकर 17.6 करोड़ रुपये हड़प लिए। शिकायत सेक्टर-44 निवासी आशुतोष चतुर्वेदी ने दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में उनके परिचित संजय रघुवंशी ने उनसे एक व्यापारिक सौदे की बात की थी। इस सौदे के तहत उनकी फर्म 'मधु ट्रेडिंग एंड सर्विसेज' को नेपा लिमिटेड से पेपर स्टॉक की सप्लाई का ठेका दिलाने का प्रस्ताव रखा गया। इस दौरान उनकी मुलाकात राकेश कुमार चौखानी से कराई गई, जिन्हें उस समय कंपनी का चेयरमैन बताया गया। पीड़ित के अनुसार, उन्हें भरोसे में लेकर यह कहा गया कि यह सौदा बेहद लाभकारी होगा और उन्हें बड़े फायदे मिलेंगे।

विश्वास दिलाने के बाद उनसे करोड़ों रुपये की रकम ट्रांसफर कराई गई। इसमें कुछ राशि बैंक खाते में भेजी गई, जबकि शेष रकम नकद में ली गई। लेकिन बाद में पीड़ित को पता चला कि राकेश कुमार चौखानी उस समय नेपा लिमिटेड के चेयरमैन थे ही नहीं। उनका तबादला पहले ही हो चुका था और सौदा पूरी तरह फर्जी निकला। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इस पूरे खेल में संजय रघुवंशी, राकेश कुमार चौखानी, मधु रघुवंशी और सिद्धार्थ रघुवंशी शामिल रहे। चारों ने मिलकर दस्तावेजों में हेरफेर की और 17.6 करोड़ रुपये हड़प लिए। इतना ही नहीं, जब पीड़ित ने रकम वापस मांगनी शुरू की तो उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी जाने लगीं। फिलहाल पुलिस ने संजय रघुवंशी, राकेश कुमार चौखानी, मधु रघुवंशी और सिद्धार्थ रघुवंशी के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला सामने आने के बाद न केवल निवेशकों में सनसनी फैल गई है, बल्कि यह सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि किसी सरकारी कंपनी के नाम पर इतना बड़ा फर्जीवाड़ा आखिर कैसे अंजाम दिया गया।

नेशनल हाईवे के 27 प्रोजेक्टों से प्रदेश के रोड यातायात को मिलेगी नई गति

बारिश बाद सडक़ विकास निगम भी 1900 से अधिक सडक़ों का करेगा निर्माण

इंदौर। नेशनल हाईवे द्वारा 77 किलोमीटर के पूर्वी बायपास की डीपीआर बनाने के साथ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू करा दी है और साथ ही पश्चिमी बायपास की भी प्लानिंग चल रही है। अभी पिछले दिनों केन्द्रीय सडक़ और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी मध्यप्रदेश दौरे पर आए थे और उन्होंने कई नए प्रोजेक्टों को भी मंजूरी दी, जिसमें इंदौर-भोपाल ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट भी शामिल है। 73 हजार करोड़ रुपए से अधिक के रोड नेटवर्क विस्तार के लिए केन्द्र से मिली इन सौगातों के चलते निकट भविष्य में प्रदेश का सडक़ परिवहन सुगम होगा और सीधे कनेक्टीविटी पर्यटन सहित बंदरगाहों से भी मिलेगी। दूसरी तरफ बारिश के बाद मध्यप्रदेश सडक़ विकास निगम द्वारा 1900 से अधिक सडक़ों का निर्माण भी शुरू किया जा रहा है।

अभी जो 27 प्रोजेक्ट नेशनल हाईवे द्वारा मध्यप्रदेश में अमल में लाए जा रहे हैं उसमें जबलपुर-भोपाल ग्रीन फील्ड हाईवे 255 किलोमीटर के साथ-साथ इंदौर-भोपाल ग्रीन फील्ड कॉरिडोर, जो कि 160 किलोमीटर रहेगा, उसके निर्माण से जहां इंदौर-भोपाल की दूरी 40 किलोमीटर घटेगी, वहीं 30 से 40 मिनट सफर का समय भी कम रहेगा और यह ग्रीन फील्ड कॉरिडोर एक्सप्रेस-वे की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसके अलावा लखनादोन-रायपुर फोरलेन हाईवे, जो कि 220 किलोमीटर का रहेगा, के अलावा उज्जैन, झालावाड़, बदनावर-टिमरनी, खंडवा-बैतुल फोरलेन के साथ-साथ इंदौर पूर्वी बायपास, जो कि सिक्स लेन रहेगा वह भी इन 27 बड़े प्रोजेक्टों में शामिल है।

कान्हा-गांधवगढ़ पेंच और पन्ना राष्ट्रीय उद्यानों को आपस में जोडऩे के लिए टाइगर कॉरिडोर भी निर्मित किया जा रहा है। वहीं अभी पिछले दिनों संभागायुक्त दीपक सिंह ने भी इंदौर संभाग में चल रहे सडक़ों के निर्माण, संधारण कार्यों की जो बैठक ली, उसमें इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन के साथ-साथ एबी रोड से हरसौला, दतोदा, अमलपुरा, सांवराखेड़ा, जावर मार्ग, तेजाजी नगर से बलवाड़ा, इंदौर-हरदा फोरलेन, इंदौर-देवास सिक्सलेन, इंदौर-खलघाट फोरलेन और इंदौर-गुजरात फोरलेन सडक़ों के निर्माण और संधारण के भी निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक 277 नई सडक़ों का निर्माण पूर्ण हो जाएगा। ये सडक़ें इंदौर संभाग में 1187 किलोमीटर का दायरा कवर करेगी।

इसके अलावा 111 किलोमीटर की 35 अन्य सडक़ों का भी संधारण विभाग द्वारा किया जा रहा है। वहीं एमपीआरआरडीए के अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री मजरा-टोला सडक़ योजना का कार्य भी बारिश बाद शुरू होगा और ऐसी 1904 सडक़ें हैं, जिन्हें दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 1243 और दूसरे में 661 सडक़ें चिन्हित की गई है। इस योजना में मध्यप्रदेश शासन द्वारा 100 फीसदी राशि खर्च की जा रही है और लगभग 4158 सडक़ें निर्मित होंगी। दूसरी तरफ नगर निगम ने शहर की 23 मास्टर प्लान की सडक़ों का जो निर्माण शुरू किया वह अत्यंत ही धीमी गति से चल रहा है। कई सडक़ों पर तो नेतानगरी के विरोध के चलते अभी तक चौड़ाई से लेकर अलाइनमेंट ही तय नहीं हुए, जिनमें तमाम अड़चनें डाली जा रही है। नगर निगम का कहना है कि शहर में 3868 किलोमीटर की सीमेंट कांक्रीट की सडक़ें हैं और 205 डामरयुक्त सडक़ों में सुधार की जरूरत है। अभी लगातार बारिश के चलते भी शहर की तमाम डामर सडक़ें बह गई, जिनमें बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और निगम के जनकार्य समिति प्रभारी राजेन्द्र राठौर के मुताबिक इन सडक़ों पर पेंचवर्क का काम भी शुरू करा दिया है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर छात्रा से दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन का दबाव

धार में बहन के घर में बनाया बंधक, इंदौर लौटकर केस दर्ज

इंदौर। लव जिहाद के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला इंदौर की एमए सेकंड ईयर की छात्रा से जुड़ा है, जिसे इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर एक युवक ने जाल में फंसा लिया। आरोपी नौशाद नाम का युवक खुद को अन्य नाम से परिचित कराकर लंबे समय तक बातचीत करता रहा। छात्रा का आरोप है कि 22 अगस्त को नौशाद ने उसे फोन कर मिलने बुलाया और घूमने के बहाने धार ले गया। वहां वह उसे अपनी बहन नीलोफर के घर ले गया, जहां दो दिनों तक उसे बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान नौशाद ने उसके साथ दुष्कर्म किया और इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डाला। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी दी और जबरन पत्नी बनाकर रखने की कोशिश की। पीड़िता ने बताया कि आरोपी जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल करता रहा। मौका मिलते ही वह घर से भाग निकली और बस चालक की मदद से इंदौर पहुंची। यहां उसने अपने माता-पिता को घटना बताई। परिजन पहले ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा चुके थे। गुरुवार को पीड़िता परिजनों और समाज के लोगों के साथ बाणगंगा थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, धमकी, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

प्राचार्य और दो शिक्षकों को नोटिस जारी

इंदौर। शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय में गत 24 अगस्त को आयोजित हुई राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा-2024 में एक अभ्यर्थी द्वारा स्मार्ट वॉच पहनकर परीक्षा में शामिल होने पर संभाग आयुक्त दीपक सिंह ने संज्ञान लिया। मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-16 अंतर्गत संबंधित परीक्षा केन्द्र के लिए नियुक्त केन्द्राध्यक्ष और दो शिक्षकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया। संभाग आयुक्त ने शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय के प्राचार्य एवं केन्द्राध्यक्ष डॉ विपिन कुमार मिश्रा और इसी महाविद्यालय के विजिटिंग फैकल्टी एवं परीक्षा के लिए नियुक्त वीक्षक जितेन्द्र सन्दवाने और ज्योति शर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए 7 दिन के अंदर अनिवार्य रूप से समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया है। निर्धारित समय में जवाब नहीं देने अथवा जवाब असंतोषजनक पाये जाने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी।

पेडलर से 32 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त

इंदौर। पिछले दिनों क्राइम ब्रांच ने द्वारकापुरी क्षेत्र से महिला सीमा नाथ को पकड़ा था। उसके पास से एक करोड़ की ब्राउन शुगर, साढ़े 48 लाख रुपए और अन्य वस्तुएं जब्त की थी। पूछताछ में सीमा ने पैडलर आकाश गोखले निवासी धार रोड नावदा पथ का नाम कबूला था। आकाश उससे लंबे समय से जुड़ा था। आकाश ने बिस्तर के नीचे 32 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। मादक पदार्थ की कीमत 6 लाख 40 हजार रुपए है।

शराब के विवाद में साले को पीटा, मौत

इंदौर। शराब को लेकर हुए विवाद में साले के साथ जीजा ने जमकर मारपीट की, जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना क्षिप्रा थाना क्षेत्र के मांगलिया की है। पुलिस के अनुसार, जीजा विष्णु ने अपने साले मुकेश के साथ बुधवार को शराब पी रहे थे, तभी किसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। विवाद के बाद जीजा ने धारदार वस्तु से मुकेश पर हमला कर दिया था। शुक्रवार सुबह घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इसी प्रकार, तुकोगंज थाना क्षेत्र के रुस्तम का बगीचा में रहने वाले फरियादी विवेक पिता प्रकाश गोलिया की शिकायत पर चीनू पिता कमल के खिलाफ केस दर्ज कराते हुए बताया कि मैं विजय की होटल के पास खड़ा था। तभी आरोपी ने शराब पीने के लिए मुझसे एक हजार रुपए मांगे, जब मैंने पैसे देने से इनकार किया तो उसने ईंट मारकर घायल कर दिया।

युवक के साथ दो युवतियों ने मारपीट की

इंदौर। युवक के साथ में दो युवतियों और उनके पुरुष साथी ने मारपीट की। फरियादी अनिल पिता बाबूलाल पंवार निवासी रामकृष्ण बाग कॉलोनी खजराना की शिकायत पर पलक, मुस्कान और प्रमोद उपाध्याय के खिलाफ केस दर्ज किया है। अनिल ने बताया कि आरोपी उनके पुराने परिचित हैं। गुरुवार को आरोपी खजराना में मिल गए। उसे देखते ही विवाद करने लगे। उसने समझाने की कोशिश की। विरोध करने पर तीनों ने मारपीट की।

बड़ी मूर्ति लाने और शराब के विवाद में चाकू चले

इंदौर। विजयनगर पुलिस को फरियादी सकीत कुमार पिता दुर्गाप्रसाद अतुलकर निवासी स्कीम 140 ने बताया कि वह कल्प कामधेनु नगर में लक्ष्मी चौहान के घर गणेशजी पूजा करने परिवार के साथ गया था। बहन मीना पाटके, योगेश चौहान, अनिल वसावा भी साथ थे।

कनाड़िया रोड से बिचौली जाने वाला कट बंद, पलाश-पैलेस का गेट खोलना जरूरी

इंदौर। नगर निगम ने शुक्रवार देर रात बंगाली चौराहे से कनाडिया रोड पर बिचौली की और जाने वाले मार्ग पर होलकर प्रतिमा के पास वाला कट बंद कर दिया। यह अच्छा प्रयोग है, क्योंकि यह कट खुला होने से तीन तरफ का ट्रैफिक यहां आकर हमेशा गुत्थम गुत्था होता था। इससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। नगर निगम को इसके साथ ही कनाड़िया रोड और बिचौली रोड के बीच के पलाश पैलेस कॉलोनी के बंद दरवाजा को भी खुलवाना होगा, ताकि कट बंद होने के बाद आगे से घूमकर आने वाले लोगों को आशीष नगर, महादेव तोतला नगर और ब्रजेश्वरी एनेक्स जाने में आसानी हो। इस कॉलोनी के लोगों ने दरवाजा लगाकर रास्ता बंद कर दिया और बोर्ड लगा दिया कि ये आम रास्ता नहीं है। जबकि, यहां नगर निगम की बनाई सड़क और स्ट्रीट लाइट लगी है। कनाड़िया रोड के कालका माता मंदिर के पास राईट टर्न को रोज लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए इस कट को बंद करना ही एकमात्र विकल्प था। दोनों सड़क के बीच सीमेंट के भारी भरकम डिवाइडर रख दिए गए है। पहले प्रयोग के तौर पर अस्थायी लोहे के डिवाइडर रखे गए, जिससे बंगाली चौराहे से कनाडिया रोड और बिचौली रोड और कॉलोनी वाले इस राईट टर्न से आना-जाना करते थे। अब उन्हें लगभग 500 मीटर आगे जाकर राइट टर्न से मुड़कर आना होगा। इस प्रयोग से जहां सुबह शाम लगने वाले जाम से जनता को मुक्ति मिलेगी, पर दुकानदारों द्वारा सड़क तक अतिक्रमण कर के रास्ता रोकने के कारण शाम को ट्रैफिक जाम अब भी हो रहा हैं।

कनाडिया रोड और बिचौली रोड के बीच की पलाश पैलेस कॉलोनी के रहवासियों ने अपनी कॉलोनी के प्रवेश के दोनों रोड पर स्थायी रूप से लोहे के गेट लगाकर ताला डाल रखा है। कॉलोनी के निवासियों से कई बार लोगों ने गेट खोलने को कहा तो उनका कहना है कि यह हमारी कॉलोनी का रास्ता है आम रास्ता नहीं है। जबकि कॉलोनी नगर निगम की सीमा में है और नगर निगम द्वारा यहाँ सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके बावजूद कॉलोनी के रहवासियों ने कॉलोनी के दो रास्तों पर गेट लगाकर ताला डाल रखा हैं। यह ताला कभी खोला नहीं जाता। रहवासी दूसरी और से आते-जाते है। नगर निगम को पलाश पैलेस कॉलोनी के इन दोनों रास्तों को आम जनता के लिए खोला जाना चाहिए, जिससे दो पहिया वाहन और पैदल चलने वालों को कनाडिया रोड और बिचौली रोड के बीच आने-जाने में आसानी हो और एक बार फिर त्योहारों के समय सारा ट्राफिक होल्कर स्टेच्यू के सामने बाधित होने से बचेगा।

कांग्रेस का अमेरिका की नीतियों के खिलाफ बड़ा विरोध, आउटलेट्स बंद करने की उठी मांग

इंदौर। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने के फैसले ने भारत में राजनीतिक और आर्थिक हलचल मचा दी है। इसी के विरोध में मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में कांग्रेस ने सख्त तेवर अपनाए हैं। कांग्रेस सेवा दल ने महापौर को पत्र लिखकर शहर में मौजूद अमेरिकी कंपनियों के सभी आउटलेट्स को तत्काल बंद करने की मांग की है। इस पत्र में साफ कहा गया है कि जब अमेरिका भारत विरोधी आर्थिक नीतियां अपनाकर हमारे उद्योग और व्यापार को नुकसान पहुंचा रहा है तो हमें भी स्थानीय स्तर पर कठोर कदम उठाने होंगे। कांग्रेस सेवा दल की ओर से महापौर को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि अमेरिकी कंपनियों का कारोबार भारत की जनता की जेब से चलता है। ऐसे में अगर अमेरिका हमारे उत्पादों पर भारी शुल्क लगाकर भारतीय उद्योगपतियों, किसानों और निर्यातकों को नुकसान पहुंचाता है, तो भारत को भी जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस ने इंदौर में मौजूद अमेरिकी कंपनियों जैसे बर्गर किंग, मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और डोमिनोज जैसे लगभग 60 आउटलेट्स के लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी है कि अगर महापौर और प्रशासन इस पर शीघ्र निर्णय नहीं लेते तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि आत्मसम्मान और राष्ट्रीय हित का मामला है। अमेरिका की नीति स्पष्ट रूप से भारत की प्रतिस्पर्धा को कमजोर करने वाली है और इसका खामियाजा हमारे निर्यातकों और छोटे व्यापारियों को भुगतना पड़ेगा।

विरोध जताते हुए कांग्रेस सेवा दल ने कहा कि जब तक अमेरिका अपने इस फैसले को वापस नहीं लेता, तब तक भारत के भीतर अमेरिकी ब्रांड्स को कारोबार करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उनका तर्क है कि यह कदम स्थानीय स्तर पर अमेरिका को सीधा आर्थिक संदेश देगा कि भारत अपने उद्योग और व्यापार की सुरक्षा के लिए हर संभव सख्ती कर सकता है। इंदौर में उठी यह मांग अब तेजी से चर्चा का विषय बन गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर कांग्रेस अपने विरोध को व्यापक स्तर पर ले जाती है, तो यह मामला राष्ट्रीय राजनीति में भी गूंज सकता है। वहीं, उपभोक्ताओं और स्थानीय व्यापारियों की भी निगाहें प्रशासन के फैसले पर टिकी हुई हैं कि आखिर अमेरिकी कंपनियों के आउटलेट्स को लेकर आगे क्या कदम उठाया जाएगा।

नगर निगम के दो उपायुक्त निलंबित, शिवपुरी में वित्तीय अनियमितताएं की

अन्य निकायों में भी चल रही जांच, कई अफसरों पर गिरी गाज

इंदौर। वित्तीय अनियमितताओं के मामले में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल ने सख्त रुख अपनाते हुए शिवपुरी नगर पालिका के तीन सीएमओ को निलंबित कर दिया। इनमें से केशव सिंह सगर और शैलेंद्र अवस्थी वर्तमान में नगर निगम इंदौर में पदस्थ है। आयुक्त नगरीय प्रशासन संकेत भोंडवे ने आदेश जारी किया है। प्राथमिक जांच रिपोर्ट में अनियमित व्यय, निविदा प्रक्रिया में गड़बड़ी और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता संबंधी खामियों की पुष्टि हुई थी। आरोप है कि नगर पालिका अध्यक्ष के साथ मिलकर इन सभी ने 50 करोड़ से ज्यादा की वित्तीय अनियमितता की थी। इस मामले में 18 पार्षदों ने इस्तीफे दे दिए थे। नगरीय प्रशासन आयुक्त ने जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबन आदेश जारी किया।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई को 'जीरो टॉलरेंस' नीति का हिस्सा माना जा रहा है। हाल ही में उज्जैन नगर पालिका परिषद और ग्वालियर विकास प्राधिकरण में भी वित्तीय गड़बड़ियों के मामले सामने आने के बाद कई अधिकारियों के खिलाफ निलंबन और तबादले किए गए थे। संभागायुक्त स्तर पर भी इंदौर व आसपास के जिलों की नगर पालिकाओं की जांच की जा रही है। विभाग का कहना है कि शासन किसी भी स्तर पर वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं करेगा।

यशवंत सागर डेम लबालब होने के बाद, देर रात एक गेट खोला गया

19 फीट से अधिक पानी, निगम को राहत, तालाब भरने लगे

इंदौर। महू क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से शहर का प्रमुख जल स्रोत यशवंत सागर डैम पूरी क्षमता से भर गया है। देर रात डैम का जलस्तर 19 फीट से अधिक होने पर अतिरिक्त पानी निकालने के लिए एक गेट खोला गया। इससे पानी गंभीर नदी में पहुंचकर उज्जैन की ओर बह जाएगा। जलभराव के बावजूद नगर निगम को राहत है कि डैम लबालब हो जाने से आने वाले दिनों में इंदौर में पानी की सप्लाई सुचारु रहेगी।

जानकारी के अनुसार, यशवंत सागर ही ऐसा तालाब है जिससे नगर निगम सीधे कई टंकियों में पानी सप्लाई करता है। महू क्षेत्र में हुई तेज बारिश से चैनलों के जरिए पानी तालाब में पहुंचा और वह अब ओवरफ्लो की स्थिति में है। इससे शहरवासियों को भी जल संकट से राहत मिलेगी। साथ ही, गंभीर डैम का जलस्तर भी पिछले 24 घंटे में 658 एमसीएफडी से बढ़कर 761 एमसीएफडी हो गया है।

सड़कों पर पानी, तालाब जैसे हालात- शहर में रुक-रुककर हो रही बारिश ने कई सड़कों को तालाब बना दिया है। सुपर कॉरिडोर पर तो हालात इतने खराब रहे कि वाहन चालक इसे ÷समुद्र के बीच का टापू÷ कहते नजर आए। गुरुवार और शुक्रवार को हुई भारी बारिश से यहां ढाई फीट तक पानी भर गया। वहीं, महू-पीथमपुर मार्ग पर चार से पांच घंटे तक जाम की स्थिति रही। पीथमपुर से इंदौर आने में वाहनों को तीन घंटे से अधिक का समय लगा। बारिश से जहां तालाब और डैम भरने लगे हैं, वहीं शहर की सड़कों पर जलभराव और ट्रैफिक जाम नागरिकों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है।

अब तक 452 मिमी औसत वर्षा - जिले में जारी मानसून सत्र के दौरान अब तक 452 मिली मीटर (लगभग 18 इंच) औसत वर्षा दर्ज की गई है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 180.8 मिली मीटर (लगभग 7 इंच) कम है। गत वर्ष इस समय तक 632.8 मिलीमीटर (लगभग 25 इंच) वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 28 अगस्त की सुबह 8.30 बजे तक समाप्त हुए 24 घंटे में जिले में औसतन 33 मिलीमीटर (एक इंच से अधिक) वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान इंदौर में 12.8 मिमी, महू में 23.3 मिमी, सांवेर में 77.1 मि.मी., देपालपुर में 29.8 मिमी, गौतमपुरा में 19.7 मिमी और हातोद में 35 मिमी बारिश हुई।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, रविवार 31 अगस्त , 2025

संपादकीय | क्या अपनों के बीच ही घिर गए हैं राष्ट्रपति ट्रंप?

भारत और अमेरिका के बीच शुल्क के मसले पर जिस तरह खींचतान की स्थिति बन गई है, उसमें भारत के सामने निश्चित रूप से नई चुनौतियां खड़ी हुई हैं। मगर यह भी सही है कि भारत इससे निपटने के लिए सभी मौजूद वैकल्पिक रास्ते अपना रहा है, नए उपाय निकाल रहा है, ताकि अमेरिकी शुल्क थोपे जाने का देश पर कोई बड़ा असर न पड़े। इसके समांतर शुल्क नीति से उपजे दबाव में आने के बजाय भारत ने अमेरिका के सामने भी अपने फैसले पर फिर से विचार करने का विकल्प खुला रखने का मौका छोड़ा हुआ है। यही वजह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार शुल्क लगाने और इसके परिणाम भारत पर पड़ने का हवाला देने के बावजूद ऐसी गुंजाइश बनाने की कोशिश करते दिख रहे हैं कि दोनों देशों के बीच संवाद बहाल हो और कोई नया रास्ता निकले। गौरतलब है कि पचास फीसद शुल्क लगाने का अमेरिकी फैसला लागू हो चुका है और अब भारत के सामने इससे उपजी नई परिस्थितियों से निपटने की चुनौती है। जाहिर है, अब इसी को ध्यान में रखते हुए भारत को आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर कदम उठाने की जरूरत है।

इसी क्रम में शुल्क लगाए जाने के असर को कम करने के लिए सरकार की ओर से बहुस्तरीय प्रयास जारी हैं। मगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी होने वाली तात्कालिक बाधाओं के बरक्स दीर्घकालिक दृष्टि से समस्या का समाधान निकालना वक्त की जरूरत होती है। यह अमेरिका भी समझता है कि शुल्क लगाने का असर फिलहाल भारत पर जो भी पड़े, लंबे समय में इसके नुकसानों से वह भी अछूता नहीं रहेगा।

शायद इसीलिए इस मुद्दे पर टकराव की स्थिति खड़ी हो जाने के बाद अब अमेरिका की ओर से भी समाधान के लिए कदम बढ़ाने के संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। दोनों देशों में उच्चस्तर से इस बात की संभावना जताई गई है कि भारत और अमेरिका के बीच संवाद के रास्ते खुले हैं और शुल्क मुद्दे को सुलझाने के प्रयास जारी रहेंगे। खुद अमेरिकी वित्त मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों के बारे में कहा कि निश्चित रूप से यह एक 'उलझा हुआ मामला' है, लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों देश 'आखिरकार' एक साथ आ जाएंगे। इसी तरह, यह भी माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच दीर्घकालिक संबंधों का यह एक अस्थायी दौर है। इसमें कोई दोराय नहीं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग देशों और उनसे बने घोषित-अघोषित समूहों के बीच हितों के सवाल खड़े होते रहते हैं और कई बार प्रतिद्वंद्विता और इससे आगे टकराव के हालात भी पैदा होते हैं। इस लिहाज से देखें, तो भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के किसी सकारात्मक निष्कर्ष तक पहुंचने को लेकर अब भी उम्मीद बनी हुई है। हालांकि अमेरिका ने भारी शुल्क लगाने की रणनीति का सहारा शायद इसीलिए लिया, ताकि वह व्यापार वार्ता में अपने हित में फैसले लिए जाने के मसले पर भारत पर दबाव बना सके। इसी कड़ी में रूस से तेल खरीदने पर जुर्माने के तौर पर शुल्क का फीसद बढ़ाने का फैसला भी शामिल था। हालांकि रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका अपने और अन्य देशों के संदर्भ में खुद ही विरोधाभासी नीतियां अपनाने के आरोप में घिरा है। अमेरिका और भारत के बीच हाल के वर्षों में जिस तरह के समीकरण बने थे, उसका स्वरूप दोनों पक्षों के दीर्घकालिक हित सुनिश्चित करना था। जरूरत इस बात की है कि अमेरिका तात्कालिक हितों को प्राथमिकता देने के बजाय दूरगामी हित को ध्यान में रख कर अपने रुख पर विचार करे।

यूपी में हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं, सड़क सुरक्षा के नए अभियान से क्या बदल पाएगा हालात?

उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं' अभियान चलाने का फैसला स्वागतयोग्य है। हालांकि दोपहिया वाहनों की सवारी करने वाले लोगों को खुद ही इसे लेकर संजीदा होने की जरूरत है, लेकिन उम्मीद की जानी चाहिए कि इस अभियान से उनके भीतर जिम्मेदारी की भावना आएगी। एक सितंबर से शुरू हो रहे इस अभियान को विधिसम्मत होने के साथ जनहितैषी भी कहा जा सकता है। गौरतलब है कि भारत में करीब तीस फीसद हादसों में दुपहिया चालक ही शिकार होते हैं। इनमें मौत का सबसे बड़ा कारण हादसे के समय हेलमेट नहीं पहनना माना जाता है। सवाल है कि यातायात नियमों के मुताबिक हेलमेट अनिवार्य होने पर भी अगर लोग नियमों का पालन नहीं करते, तो इसका नुकसान किसे उठाना पड़ता है। हैरत की बात है कि जुर्माने के प्रावधान के बावजूद लोग बिना हेलमेट पहने वाहन चलाते दिखते हैं। उन्हें न तो नियम-कायदे की परवाह होती है और न ही अपने प्राणों की। जहां सड़क पर यातायात पुलिस की जांच ढीली होती है, वहां दुपहिया पर पीछे बैठे लोग अमूमन हेलमेट नहीं पहनते। जबकि हादसे की स्थिति में जोखिम का स्तर उनके लिए भी समान होता है। गौरतलब कि पिछले वर्ष भी यह अभियान चलाया गया था, लेकिन सच यह है कि लोगों के बीच हेलमेट पहन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर पर्याप्त संवेदनशीलता अभी विकसित नहीं हुई है। कुछ समय पहले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने बताया था कि पिछले वर्ष हुए हादसों में तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट नहीं पहनने की वजह से हो गई। यानी देश में हर दिन औसतन अस्सी लोगों की जान सिर्फ हेलमेट नहीं पहनने के कारण चली गई। सवाल है कि इस संबंध में कानून होने और उससे भी ज्यादा अपने हित में होने के बावजूद लोग हेलमेट की उपयोगिता की अनदेखी क्यों करते हैं। किसी हादसे की स्थिति में शरीर के बाकी हिस्से में लगी चोट के मुकाबले सिर पर लगी चोट जिंदगी को जोखिम में डाल देती है। उपचार के बाद भी जीवन भर जटिलताएं बनी रह सकती हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर दोपहिया वाहन चलाते हुए हेलमेट पहना जाए तो मौत की आशंका को बहुत कम किया जा सकता है।

आज का कार्टून

क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी रूस-चीन-भारत के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी। ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

कमलेश पांडे

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है।

समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में 'एक-चीन' नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने 'आश्चर्य' व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं। मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरुआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा।

यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ''हम भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैं।'' वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को 'तथ्यों के साथ असंगत' पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमज़ोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ़ एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत 'एक-चीन' के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर ज़ोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

अपने शिक्षकों की हम क्यों नहीं करते कद्र?

लगभग दो साल पहले, मैंने भारतीय शिक्षक दिवस - 5 सितंबर - पर कहीं पर एक प्रश्नावली पढ़ी थी जिसमें बहुत कम प्रश्न थे और उनमें से एक था: आप इस पेशे में क्यों आए? जहां तक मुझे याद है, ज्यादातर उत्तरदाताओं ने कहा था, 'हमारे पास और कोई विकल्प नहीं था.' यह एक दुःखद सच्चाई है कि देश में समय के साथ, शिक्षण पेशे ने अपनी पुरानी चमक खो दी है. मुझे अच्छी तरह याद है कि कम्प्यूटर क्रांति आने से पहले के जमाने में यह समाज के सबसे बेहतरीन दिमागों को आकर्षित करता था शिक्षा के पेशे की तरफ.

अच्छी सरकारी शालाओं के बाहर लोगों की कतारें लग जाती थीं क्योंकि वहां के प्रधानाचार्य और शिक्षक प्रथम श्रेणी के शिक्षक हुआ करते थे. वे अपने काम के प्रति बेहद समर्पित थे और उन्होंने शिक्षण को अपनी पहली पसंद के तौर पर अपनाया था, न कि मजबूरी में. पिछले पांच दशकों में समाज तेजी से बदला है. बाजार मोटी तनख्वाह वाली नई नौकरियों से भर-सा गया हैं जिसने शिक्षकों को पृष्ठभूमि में धकेल दिया है.

कम से कम सरकारी विद्यालयों में तो अध्यापन अब किसी भी युवक-युवती की आखिरी पसंद बन गया है. निजी और सरकारी, दोनों ही क्षेत्रों में वेतन में भारी अंतर हो सकता है, लेकिन पेशे में अच्छी मान्यता या प्रतिष्ठा कहीं नहीं है. किसी बड़े वकील या जिला न्यायालय के न्यायाधीश के बारे में सोचिए; किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ या कम्प्यूटर वैज्ञानिक के बारे में;

किसी स्टार्टअप के मालिक या किसी एसडीएम (सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट) के बारे में तो शायद बात समझ में बेहतर तरीके से आएगी. किसी आईएएस-आईपीएस अधिकारी के बारे में तो कहने की बात ही नहीं - मतलब किसी कलेक्टर, एसपी या आईजीपी के बारे में - उनके चारों ओर एक भव्य आभामंडल होता है और पद का बड़ा रौब भी होता है.

ऊपर लिखें इन सभी और अनेक अन्य व्यवसायों या नौकरियों में शामिल लोगों को

उनके विद्यालयों में व महाविद्यालयों में काबिल शिक्षकों ने ही पढ़ाया था, जिससे उन्हें मूल्यों, अनुशासन और ज्ञान से वह सब हासिल करने में बहुत मदद मिली जो उन्होंने अंततः हासिल किया. फिर भी, उन्हीं शिक्षकों को समाज में उतनी मान्यता नहीं मिलती जितनी बाकी अनेक को मिलती है?

क्या यह एक अच्छा संकेत है, खासकर तब जब हम वैश्विक शक्ति (विश्व गुरु) बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं? क्या हम भारत की उस समृद्ध और सशक्त शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) को नजरअंदाज कर सकते हैं जो हमेशा से भारत के पास रही है? मानव संसाधन विकास मंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान, मैंने अर्जुन सिंह के साथ एक विस्तृत चर्चा की थी व उनसे केवल एक ही बात का आग्रह किया था:

कृपया ऐसी नीतियां बनाने का प्रयास करें जो शिक्षकों को बेहतर वेतन, भत्ते और कार्य स्थितियों जैसे उपायों के माध्यम से सामाजिक सम्मान प्रदान करें. संक्षेप में, भारतीय शिक्षा का माहौल ऐसा होना चाहिए जहां शिक्षकों का सम्मान हो और इस महान पेशे को विशेष रूप से छात्रों-अभिभावकों और सामान्य रूप से समाज से पर्याप्त सम्मान और प्रशंसा मिल सके.

मैंने विद्यालयीन शिक्षकों, कुलपतियों और यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम के निदेशकों के लिए भी यही अनुरोध किया था कि उन्हें भी वही सुविधाएं मिलें जो अन्य क्षेत्रों के बड़े पेशेवरों को मिलती हैं. यह 2005 की बात है. आज मुझे अर्जुन सिंह के साथ हुई सार्थक चर्चा याद आ रही है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में इस बात को दोहराया है.

सिंह आज के कई राजनेताओं से कहीं ज्यादा ईमानदार और पढ़े-लिखे मंत्री थे. गुजरात सरकार के एक मामले में शिक्षकों के बारे में सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणियों को पढ़ने पर मुझे पुरानी बातें याद आईं. माननीय न्यायाधीश पीएस नरसिम्हा और जॉयमाल्या बागची ने कहा है: 'हमें इस बात की गहरी चिंता है कि हम अपने शिक्षकों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं,

वे हमारी भावी पीढ़ियों को शिक्षित करते हैं और उन्हें आवश्यक योग्यताएं व विशेषज्ञता हासिल करने में सक्षम बनाते हैं.' गुजरात में सहायक प्राध्यापकों को उचित पारिश्रमिक और सम्मानजनक व्यवहार दिए जाने का न्यायालय ने समर्थन किया, जो सरकार नहीं कर रही है. लेकिन यह 'अन्याय' सिर्फ गुजरात तक ही सीमित नहीं है; मध्य प्रदेश में संविदा शिक्षकों को अध्यापक नहीं, बल्कि 'शिक्षाकर्मी' कहा जाता है. उन्हें उचित वेतन और नौकरी की सुरक्षा की मांग को लेकर उन्हें कई बार हड़ताल भी करनी पड़ती है. भारत में प्राचीन गुरुकुल प्रणाली में शिक्षक-छात्र संबंधों की एक समृद्ध विरासत रही है, जिसने कई सदियों तक बड़ी संख्या में छात्रों को प्रशिक्षित किया और निखारा जिससे एक ऐसे भारत का निर्माण हुआ है,

जिसे उन सभी पर आज भी गर्व है. भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, आदि शंकराचार्य (अनेक प्रसिद्ध शिष्य) से लेकर सांदीपनि (श्रीकृष्ण) और द्रोणाचार्य (अर्जुन) तथा विश्वामित्र (राम और लक्ष्मण) तक, समय-समय पर कई महापुरुष व शिक्षक हुए हैं. अपने प्रसिद्ध शिष्यों को दुर्लभ शिक्षाएं प्रदान करने में उनकी असाधारण भूमिका के लिए उनके समर्पण की कहानियां शताब्दियों बाद भी उद्धृत की जाती हैं. वैश्विक इतिहास के किसी भी कालखंड को उठाकर देखें, शिक्षकों ने युवाओं के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. अगर मैं कहूं कि शिक्षक सच्चे राष्ट्र-निर्माता हैं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी.

दोहराए जाने का खतरा उठाकर भी, मुझे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की भारतीय शिक्षा प्रणाली के बारे में हाल ही में व्यक्त की गई चिंताओं के लिए उनकी सराहना करनी होगी. भाजपा सरकारों को उनकी चिंताओं पर कार्रवाई करनी चाहिए और शिक्षकों को उनके हक का सम्मान प्रदान करना होगा. तभी हम विकसित कहलाने के हकदार होंगे.

सिंगापुर से तीन गुना बड़ा प्रोजेक्ट, छोटे अंबानी के ऐलान से हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही है। कंपनी 2026 तक विशाल बैटरी उत्पादन संयंत्र शुरू करेगी। इसके साथ ही, सिंगापुर से तीन गुना बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना भी शुरू करने की योजना है। कंपनी का टारगेट 2032 तक 30 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। आरआईएल कोयला और पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन से दूरी बना रही है। रिलायंस के सीएमडी मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी की क्लीन एनर्जी पर इन घोषणाओं के बाद पूरे सेक्टर में हलचल तेज हो गई है। आरआईएल स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। कंपनी सौर ऊर्जा, बैटरी और हाइड्रोजन उत्पादन पर फोकस कर रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत नया ऊर्जा परिवेश बना रही है। यह रेत और इलेक्ट्रॉन से लेकर हरित अणुओं तक फैला होगा।

क्लीन एनर्जी के हर पहलू पर फोकस

कंपनी स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन के हर पहलू में निवेश कर रही है। इसमें सूर्य के प्रकाश को बिजली में बदलने वाले मॉड्यूल शामिल हैं। ऊर्जा को स्टोर करने वाली बैटरियां भी बनाई जाएंगी। इसके अलावा, इलेक्ट्रोलाइजर भी बनाए जाएंगे। ये इलेक्ट्रोलाइजर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके पानी के अणुओं को तोड़कर हाइड्रोजन बनाएंगे। हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। आरआईएल घरेलू और निर्यात बाजार के लिए ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी। कंपनी ग्रीन अमोनिया और ग्रीन मेथनॉल जैसे उत्पाद भी बनाएगी। इसके लिए विशाल संयंत्र लगाए जाएंगे। कंपनी पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन और जैविक कचरे से जैव ईंधन बनाने पर भी काम कर रही है। अनंत अंबानी ने कहा कि कंपनी एक ही छत के नीचे सौर ऊर्जा, बैटरी भंडारण और हाइड्रोजन जैसे कई गीगावाट स्तर के स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को ला रही है। गीगा फैक्ट्रियों में बनने वाले उत्पादों का इस्तेमाल 24 घंटे रिन्यूएबल एनर्जी प्रदान करने के लिए किया जाएगा। इनका इस्तेमाल ग्रीन केमिकल बनाने में भी होगा। जामनगर में धीरूभाई अंबानी गीगा ऊर्जा परिसर का काम तेजी से चल रहा है। यह आकार और पैमाने में दुनिया में सबसे अलग होगा।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ईंधन से दूरी

अनंत अंबानी ने कहा, जामनगर दुनिया के सबसे बड़े पारंपरिक ऊर्जा परिसर और दुनिया के सबसे बड़े नवीन ऊर्जा परिसर, दोनों का केंद्र होगा। जामनगर नई रिलायंस और नए भारत का चेहरा है। इसका मतलब है कि जामनगर में रिलायंस के पुराने और नए दोनों तरह के ऊर्जा कारोबार होंगे। यह शहर रिलायंस और भारत के भविष्य का प्रतीक होगा। कंपनी का लक्ष्य है कि वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ईंधन से दूर हो। स्वच्छ ऊर्जा का इस्तेमाल करे।

एक सितंबर से बदल जाएंगे कई नियम

एलपीजी; एटीएम चार्ज और एफडी ब्याज दरों पर पड़ेगा असर

चांदी के लिए अनिवार्य हॉलमार्किंग

सरकार चांदी के लिए अनिवार्य हॉलमार्किंग शुरू करने जा रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, लेकिन कीमतों पर असर पड़ सकता है। इसका उद्देश्य चांदी के बाजार में शुद्धता और मूल्य निर्धारण में एकरूपता लाना है। यह विश्वसनीयता बढ़ाएगा।

एसबीआई कार्ड पर नए शुल्क

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी एसबीआई कार्डधारकों को संशोधित शर्तों का सामना करना पड़ेगा। ऑटो-डेबिट फेल होने पर दो फीसदी जुर्माना लगेगा। अंतरराष्ट्रीय लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लागू हो सकता है। ईंधन खरीद और ऑनलाइन शॉपिंग पर भी उच्च शुल्क लग सकते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। एक सितंबर से कई नए नियम लागू होंगे जो आपके घर के बजट और रोजमर्रा के खर्चों को प्रभावित करेंगे। चांदी की हॉलमार्किंग, एलपीजी की कीमतों में संशोधन, एटीएम निकासी शुल्क और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की ब्याज दरों में संभावित कमी जैसे बदलाव सीधे उपभोक्ताओं पर असर डालेंगे। हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दरें घोषित करती हैं। 1 सितंबर को भी कीमतों में बदलाव होगा, जो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों और कंपनी की गणनाओं पर निर्भर करता है। कुछ बैंक एटीएम उपयोग पर नए नियम लागू करेंगे। निर्धारित मासिक सीमा से अधिक निकासी करने वाले ग्राहकों को उच्च लेनदेन शुल्क देना पड़ सकता है। कई बैंक सितंबर में जमा दरों पर ब्याज की समीक्षा करेंगे। वर्तमान में अधिकांश बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.5 से 7.5 प्रतिशत के बीच ब्याज दे रहे हैं।

विपक्षी राज्यों ने जीएसटी राजस्व नुकसान पर केंद्र से मांगा मुआवजा

दो लाख करोड़ सालाना घाटे का अनुमान

- राज्यों का दावा, राजकोषीय ढांचे गंभीर रूप से होंगे अस्थिर - गौड़ा ने कहा, जीएसटी राजस्व में 20 प्रतिशत की कमी राज्य सरकारों के राजकोषीय ढांचे को गंभीर रूप से अस्थिर कर देगी। राज्यों को राजस्व स्थिर होने तक पांच साल तक मुआवजा मिलना चाहिए। जब जीएसटी लागू हुआ था, तब राजस्व-तटस्थ दर (आरएनआर) 14.4 थी। अब शुद्ध दर घटकर 11 हो गई। स्लैब में कटौती के वर्तमान प्रस्ताव से कराधान की शुद्ध दर घटकर 10 हो जाएगी।

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष शासित राज्यों ने प्रस्तावित जीएसटी सुधार से होने वाले नुकसान के भरपाई के लिए पांच साल तक मुआवजे की मांग की है। इनका दावा है कि टैक्स का दो स्लैब करने से 1.5 लाख करोड़ से 2 लाख करोड़ तक के राजस्व का नुकसान हो सकता है। आठ राज्यों-हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री जीएसटी परिषद की बैठक में मांग रखेंगे।

सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में पांच और 18 फीसदी के अलावा कुछ सामानों पर 40 फीसदी टैक्स का प्रस्ताव दिया है। विपक्ष शासित राज्यों की मांग है, यह शुल्क राज्यों के बीच बांटा जाना चाहिए। कर्नाटक के वित्त मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा, हर राज्य को मौजूदा जीएसटी राजस्व में 15 से 20 की कमी होने की उम्मीद है।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.386 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर पर

आरबीआई ने जारी किए आंकड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 अगस्त को समाप्त सप्ताह 4.386 अरब डॉलर घटकर 690.72 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में समग्र भंडार 1.488 अरब डॉलर बढ़कर 695.106 अरब डॉलर हो गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.652 अरब डॉलर घटकर 582.251 अरब डॉलर रह गई। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के उतार-चढ़ाव का भी असर शामिल होता है।

सोने का भंडार घटकर 85.003 अरब डॉलर रह गया - आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 665 मिलियन डॉलर घटकर 85.003 अरब डॉलर रह गया। साथ ही स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) 46 मिलियन डॉलर घटकर 18.736 अरब डॉलर रह गए। इसके अलावा समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ में भारत की आरक्षित स्थिति भी 23 मिलियन डॉलर घटकर 4.731 अरब डॉलर रह गई।

निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक पहुंच के लिए उपायों की घोषणा जल्द

गोयल बोले- हर संभव मदद की जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से घरेलू और वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए जल्द ही विभिन्न उपायों की घोषणा करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

पीयूष गोयल ने कहा, निर्यातकों को व्यापार के मोर्चे पर मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने में हर संभव मदद की जाएगी। अमेरिका ने भारतीय सामानों के निर्यात पर 50 फीसदी का भारी शुल्क लगा दिया है। इससे कपड़ा, चमड़ा, जूते और झींगा जैसे कुछ श्रम प्रधान क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है। गोयल ने एक कार्यक्रम में शुक्रवार को कहा, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि निर्यातकों को किसी एकतरफा कार्रवाई से उत्पन्न मौजूदा स्थिति से निपटने में तनाव या कठिनाई का सामना न करना पड़े। इन शुल्कों से जो मुश्किलें आ रही हैं, उसे आप लोग बताएं। हम वैकल्पिक बाजारों की तलाश कर रहे हैं। हम अपने मिशनों के जरिये दुनिया के अन्य हिस्सों तक पहुंच रहे हैं, ताकि अवसरों का लाभ उठा सकें। हम घरेलू खपत को बढ़ावा देने पर भी विचार कर रहे हैं।

अगले सप्ताह जीएसटी परिषद की बैठक होगी। इससे घरेलू विनिर्माण क्षेत्र में मांग में तेजी आएगी। सरकार निर्यात में विविधता लाने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों सहित सभी हितधारकों के साथ बात कर रही है। आने वाले दिनों में सरकार हर क्षेत्र को समर्थन के लिए कई कदम उठाएगी। इससे हमारी वैश्विक पहुंच का विस्तार होगा। इससे इस वर्ष हमारा निर्यात बीते वर्ष के निर्यात से अधिक हो सकता है।

825 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात

गोयल ने कहा, 2024-25 में वस्तु एवं सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। वैश्विक बाजार में भारत का निर्यात हिस्सा कम है। हमें व्यापार के मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बारे में बहुत चिंता करने की जरूरत नहीं है। कोई देश अच्छा व्यापार समझौता करना चाहता है, तो हम उसके लिए हमेशा तैयार हैं।

US tariffs: Carpet industry demands special bailout package

Bhadohi: The carpet industry has urged the central government for a special bailout package for the exporters in this sector, especially in Bhadohi, as a cushion against the impact of 50 per cent tariff imposed by the US.

All India Carpet Manufacturers Association (AICMA) and the Carpet Export Promotion Council (CEPC), which operates under Ministry of Textiles, had met with Union Textiles Minister Giriraj Singh in this regard.

Bhadohi MLA Zahid Baig (Samajwadi Party) has also requested a special 10 per cent bailout package from the Uttar Pradesh government to provide relief to the exporters.

According to Akhilesh Singh, Chief Administrative Officer of CEPC's Bhadohi office, India's carpet exports in the last financial year were valued at Rs 16,800 crore. Of this, 60 per cent was exported to the US and 40 per cent to European countries.

He noted that Bhadohi alone accounts for 60 per cent of the country's total carpet exports, making it clear that the US tariff will hit the district's exporters the hardest.

Both organizations stressed that their priority is to keep their

American importers engaged. They explained that if these importers begin sourcing from countries where the US has imposed lower tariffs, such as China, Turkey, and Pakistan, it would be extremely difficult to win them back.

Meanwhile, in a letter to Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath, Baig emphasized that the tariff will most significantly impact the carpet industry because 99 per cent of carpets made in India are exported, with 60 per cent of that going to the US.

The MLA highlighted that the carpet industry is a cottage industry that employs 30 lakh people, with women making up a valuable 25 per cent of that workforce.

He stated that these women are self-reliant, earning through various types of carpet weaving from their homes. Baig warned that if exports are affected, the biggest blow will be to the weavers, labourers, and women who create these carpets using only their hands and skills, without the use of machinery.

This could impact a large portion of the population and lead to millions losing their livelihoods.

Baig urged the government to protect the 800 export units in UP from this direct blow. As a representative of Bhadohi, he appealed to the chief minister to immediately announce a 10 per cent special bailout package for Uttar Pradesh's exporters to save the carpet industry.

India, UAE hold talks to boost trade and investment in infra, energy, and tech

New Delhi: India and the United Arab Emirates (UAE) held discussions focused on expanding bilateral trade and investment in key sectors such as infrastructure, energy, and technology. In an X post, Union Commerce and Industry Minister, Piyush Goyal, on Friday, informed that two countries have reaffirmed their commitment to deepen the partnerships. "Honoured to welcome Dr @ThaniAlZeyoudi , the UAE's Minister of Foreign Trade, and congratulated him on assuming his new role.Our discussions focused on expanding bilateral trade and investment in key sectors such as infrastructure, energy and technology. We reaffirmed our shared commitment to deepening the India-UAE partnership and unlocking new avenues of growth together," the Union Minister wrote in the X post. The Economic Partnership Agreement (CEPA) between the two countries completed three years of signing in February, marking a significant development.

According to the Ministry of Commerce and Industry, since the

GCC expansion and strong domestic demand drive decline in office vacancy rates: CREDAI-

New Delhi: The continued expansion of Global Capability Centres (GCCs), coupled with strong domestic demand, is driving a steady decline in office market vacancy rates, signalling renewed momentum in India's commercial real estate sector, according to the latest report by CREDAI-CRE Matrix. The 'Office Market Report for Q2 CY'25' highlighted that vacancy rates declined by 210 basis points (BPS) between calendar Year (CY) 2024 and CY'25, underpinned by robust demand of 34.5 million square feet in H1 CY'25 and consistent absorption across major business hubs. The report added that the ongoing shift towards flexible work models and strong domestic demand are also driving robust absorption rates across Bengaluru, Mumbai Metropolitan Region (MMR), Delhi-

NCR, and Hyderabad. The office market absorbed 17.3 million square feet of fresh space during Q2 CY'25. The office market continued to show resilience in Q2 2025, driven by diversified occupier demand. IT/ITeS led with a 24 per cent share, followed by BFSI (20 per cent) and co-working spaces (19 per cent). Hyderabad emerged as the top co-working destination, accounting for 29 per cent of the segment's demand and is poised to surpass the Mumbai Metropolitan Region in total office stock by the next quarter. On the supply front, Pune and Hyderabad contributed 54 per cent of total new office supply, while Pune and Bengaluru together made up 40 per cent of total demand. In H1 CY'25, 28.8 million sq ft of new office space was added, with Pune alone accounting for nearly 30 per cent, reflecting a shift towards emerging markets and Tier-2 cities.

Delhi-NCR remained strong, with 4.9 million sq ft demand in H1 and 23 per cent

इन बेसिक स्किल्स से बन पाएंगे एक बेहतर फैशन डिजाइनर...

आज के फैशन इंडस्ट्री में आपको क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स चाहिए। फैशन इंडस्ट्री में लगभग 3,400 मिलियन लेबर फोर्स जुड़ा है। फैशन इंडस्ट्री में बढ़ती डिमांड के कारण इस क्षेत्र में करियर के ऑप्शन भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको क्रिएटिविटी और आर्ट के अलावा भी कई ऐसे स्किल्स हैं जिसकी मदद से बेहतर करियर बनाया जा सकता है। आइए इस विषय पर चर्चा करते हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

एक सफल कोलॉबोरेशन के लिए एक फैशन डिजाइनर के रूप में अपने करियर को एक नए लेवल पर विस्तारित करने के लिए बेहतर कम्यूनिकेशन की आवश्यकता होती है। अपने विचारों को साझा करना, विचार एकत्र करना और आलोचना करना उचित और उचित संचार पद्धति के साथ-साथ चलते हैं।

इफेक्टिव नीडल वर्क

एक फैशन डिजाइनर के रूप में, सिलाई सबसे बुनियादी स्किल्स में से एक बन जाती है। एक डिजाइनर के रूप में आपको अपने द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े बनाने में सक्षम होना चाहिए। सब कुछ पूरी तरह से जुड़ जाता है जब आप एक शुरुआत के रूप में अपने डिजाइनों को शीट से बाहर लाने में शामिल तरीकों के अनुभवी ज्ञान की भावना विकसित करने के लिए कर सकते हैं।

अच्छे शैक्षणिक संस्थान

अगर फैशन डिजाइनर बनना होगा है आपकी जड़ें मजबूत होनी चाहिए। फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि कौन-सा शैक्षिक संस्थान आपके लिए सबसे बेहतर होगा। इस विषय में इंटरनेट पर सारी जानकारियां मिल जाएंगे।

सहयोगात्मक और टीम स्किल्स

एक फैशन डिजाइनिंग के स्टूडेंट के रूप में टीम स्किल्स बहुत आवश्यक हो जाता है। फैशन डिजाइनिंग ड्रेस डिजाइन करने के अलावा और भी बहुत कुछ है। इसके लिए ऐसे लोगों के साथ एक टीम की आवश्यकता होती है जो समस्या-समाधान को संभाल सकें, मुद्दों का समाधान कर सकें, एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकें।

फॉरेस्ट्री में बनाया जा सकता है बेहतर करियर

मिलती है अच्छी सैलरी

क्लाइमेट चेंज के बढ़ते प्रभावों के कारण, जंगलों और पेड़ों की रक्षा में मदद करने के लिए दुनिया भर में स्पेशलाइज्ड फॉरेस्ट और कंजर्वेशन साइंटिस्ट की मांग अधिक है। फॉरेस्ट इंडस्ट्री को 2029 तक 5% बढ़ने का अनुमान है विशेष रूप से वाइल्ड फायर मैनेजमेंट के क्षेत्र में जिसमें जंगल की आग की रोकथाम आदि शामिल हैं।

स्वस्थ दिमाग को भी बढ़ावा देता है फॉरेस्ट्री

कई स्टडी से यह साबित हो चुका है कि पेड़ों और हरियाली के साथ और प्रकृति के बीच बाहर समय बिताना तनाव, चिंता को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। तो फॉरेस्ट्री एक ऐसा करियर है जो न केवल एक स्वस्थ पृथ्वी को बढ़ावा देता है, बल्कि एक स्वस्थ दिमाग को भी बढ़ावा देता है।

प्रतिष्ठित करियर है फॉरेस्ट्री

भारत में कुल 24.62% भौगोलिक क्षेत्र वनों और वृक्षों से भरा है। फॉरेस्ट्री में करियर बनाना वास्तव में एक प्रतिष्ठित काम है क्योंकि आप न केवल जैव विविधता की रक्षा कर रहे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए फूड सिक्योरिटी भी प्रदान कर रहे हैं।

बेहतर सैलरी भी करता है प्रदान

निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में फॉरेस्ट्री का करियर उपलब्ध है। वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो रही है जिसकी वजह से फॉरेस्ट्री में करियर की भी भारी मांग है। मांग के साथ-साथ यह अच्छी सैलरी भी प्रदान करता है।

अगर आप जंगल और प्रकृति में दिलचस्पी लेते हैं तो आपके लिए फॉरेस्ट्री डिग्री एक बेहतर करियर का ऑप्शन प्रदान कर सकती है। आइए जान लेते हैं कि किन कारणों से फॉरेस्ट्री एक बेहतर करियर बन सकती है। फॉरेस्ट्री में करियर मिट्टी की हेल्थ, हाइड्रोलॉजी, पारिस्थितिक तंत्र मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, वन्यजीव संरक्षण, और लकड़ी की आपूर्ति श्रृंखला और कई अन्य क्षेत्रों में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

इन स्कॉरशिप की मदद से कर सकते हैं विदेश में मुफ्त पढ़ाई

अगर आप भी विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, तो अपनी पढ़ाई के लिए इस तरह फंड जोड़ सकते हैं। लेकिन यह कैसे पता चलेगा कि कौन-सी स्कॉलरशिप आपके लिए सही है? आप देखेंगे कि स्कॉलरशिप अलग-अलग तरह की हो सकती हैं और आपको इसमें काफी रिसर्च भी करनी पड़ सकती है। विदेश में अध्ययन करने का निर्णय लेने के बाद, आपको जरूरी फंडिंग इकट्ठी करनी पड़ती हैं जिसमें कॉलेज फीस, रहने का खर्च जैसी चीजें भी शामिल होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं फंडिंग जोड़ने के लिए आप कई सारी स्कॉलरशिप अप्लाई कर सकते हैं, जो आपकी पढ़ाई में मदद करेंगी।

स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप

अगर आप केवल एक खेल का अभ्यास करना चाहते हैं और कॉलेज या विश्वविद्यालय की टीम के सदस्य बनना चाहते हैं, तो आप स्कॉलरशिप के लिए क्वालिफाइ कर सकते हैं। यह स्कॉलरशिप आपको कॉलेज/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाती है। अच्छी खबर यह है कि जरूरी नहीं आप जिस खेल का अभ्यास करते हैं उसमें बहुत अच्छा हो। कभी-कभी लोकल ग्रुप या अलग-अलग ऑर्गनाइजेशन इन स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप की पेशकश कर सकते हैं और वे आमतौर पर स्पोर्ट्स क्राइटेरिया देख सकते हैं।

विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप

इस क्राइटेरिया द्वारा विश्वविद्यालय स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं- अकादमिक में अच्छे हों और स्टूडेंटों को एक निश्चित आयु सीमा (उदाहरण के लिए 35 वर्ष से कम आयु) का होना चाहिए। इसके अलावा, आप देखेंगे कि हर कॉलेज या यूनिवर्सिटी एक डिग्री लेवल के लिए विशेष स्कॉलरशिप प्रस्ताव देती हैं।

इस स्कॉलरशिप में ये सभी फंड दिए जाते हैं

- ट्यूशन फीस
- हर महीने का रहने का खर्च
- इकोनॉमी क्लास की फ्लाइट टिकेट
- आवश्यक खर्चों के लिए अतिरिक्त अनुदान और भत्ते

स्पेसिफिक स्कॉलरशिप

अधिकतर विशिष्ट यानि स्पेसिफिक स्कॉलरशिप एक निश्चित जातीय पृष्ठभूमि या पारिवारिक संबद्धता वाले स्टूडेंटों को दी जाती है। ये स्कॉलरशिप जातीय अल्पसंख्यकों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाई गई है। कुछ देशों (बेल्जियम, फ्रांस, यू.एस. आदि) में, स्थानीय सरकार कुछ देशों से आने वाले स्टूडेंटों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। उदाहरण के लिए, बेल्जियम अफ्रीकी, दक्षिण अमेरिकी और एशियाई देशों से आने वाले उम्मीदवारों को विशेष स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम अल्पसंख्यक स्टूडेंटों को उन क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त करने में मदद करने के लिए भी हैं, जिनमें उनका ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व किया गया है। कुछ संगठन दिव्यांग, सीखने की अक्षमता और दुर्बल करने वाली स्वास्थ्य स्थितियों वाले स्टूडेंटों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं।

मेरिट-बेस्ड स्कॉलरशिप- फैलोशिप

योग्यता-आधारित स्कॉलरशिप कई क्राइटेरिया के आधार पर दी जाती है जिनमें हॉबी, टेलेंट, अचीवमेंट्स, अकादमी या करियर स्कोप शामिल हैं। ये स्कॉलरशिप संघीय और राज्य सरकार, बड़े निगमों, स्थानीय व्यवसायों, पेशेवर संगठनों या विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जा सकती हैं।

स्टूडेंट लोन

विदेश में पढ़ाई के लिए स्टूडेंट लोन वह राशि है, जिसे आपको वापस चुकाना होता है। वे कुछ अंतरों के साथ किसी भी अन्य लोन की तरह कार्य करते हैं। आप सरकार या निजी बैंक से स्टूडेंट लोन प्राप्त कर सकते हैं; यह आपके देश का एक बैंक या एक विदेशी बैंक हो सकता है, जिस देश में आप अपनी पढ़ाई करना चाहते हैं।

निजी स्टूडेंट लोन के लिए सह-हस्ताक्षर (माता-पिता या कानूनी ट्यूटर के साथ) बहुत आम है क्योंकि अधिकांश स्टूडेंट के पास लोन लेने के लिए क्रेडिट इतिहास नहीं होता है। हालाँकि, आप सरकार से जो स्टूडेंट लोन प्राप्त कर सकते हैं, वे अधिक अनुकूल होते हैं क्योंकि दरें आमतौर पर कम होती हैं। कुछ लोन फाइनेंशियल जरूरतों पर आधारित होते हैं।

खेल में करियर बनाने के लिए जरूरी हैं ये बातें

पिछले कुछ वर्षों से भारत में क्रिकेट के साथ-साथ टेनिस, हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल आदि खेलों में भी युवाओं की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। आउटडोर व इनडोर खेले जाने वाले ऐसे तमाम स्पोर्ट्स हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को चुनकर उसे अपना पैशन बना सकते हैं। अगर आप किसी खेल के दीवाने हैं, दिन-रात हर समय आंखों के सामने वही छाया रहता है, तो फिर अपने इस शौक को जुनून बनाने से पीछे न हटें। घर-परिवार को कनविंस करें, स्कूल-कॉलेज या क्लब की टीम में शामिल हों और हर मोर्चे पर सक्रिय रहते हुए अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ नया और अलग करने का प्रयास करके ही आप दूसरों की नजरों में आ सकते हैं और लगातार आगे बढ़ने का मौका हासिल कर सकते हैं। जरूरी नहीं कि आप क्रिकेट ही खेलें, आप अपनी पसंद के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, टेनिस, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग आदि जैसे खेल या फिर शतरंज, टेबल टेनिस आदि जैसे इनडोर गेम्स को भी चुन सकते हैं।

आम से बनें खास

सचिन तेंडुलकर से लेकर महेंद्रसिंह धोनी और विराट कोहली तक तमाम खिलाड़ी सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों से निकले हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और जज्बे से दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया। मगर ये युवा कामयाबी के शिखर पर इसलिए पहुंच पाए, क्योंकि इन्होंने जिस खेल को पसंद किया, उसमें पूरी तरह डूब गए। दिन-रात सीखते रहने के जज्बे से वे बिना रुके लगातार आगे बढ़ते गए। जिसके घर-परिवार, माता-पिता को शायद पूरा शहर भी नहीं जानता था, उसे देश क्या, दुनिया जानने पहचानने लगी। आप भी जो खेल पसंद करें, अगर उसमें अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, तो उसे आधे-अधूरे मन से खेलने या टाइम-पास करने के बजाए रणनीति बनाकर उसमें आगे बढ़ें। माता-पिता को इसके लिए सहमत करें। आपकी प्रतिभा देख वे भी आपको आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अति-आत्मविश्वास नहीं

तैयारी की दिशा में आगे बढ़ते हुए आपकी नजर हमेशा लक्ष्य पर होनी चाहिए। जरूरी नहीं कि लक्ष्य हमेशा एक ही रहे। एक उपलब्धि पाने के बाद स्वाभाविक रूप से आपका लक्ष्य उससे बड़ा हो जाता है। हां, एक बात हमेशा गांठ बांधकर रखें- अपनी उपलब्धियों को लेकर कभी भी अति-आत्मविश्वासी न हों। उपलब्धियों पर खुश जरूर हों लेकिन खुशी को कभी भी गुरूर न बनने दें। इससे आपके पैर हमेशा जमीन पर रहेंगे और आप लगातार अच्छे प्रदर्शन की दिशा में बढ़ते रहेंगे। हां, नकारात्मक बातों या हार के बारे में सोचने के बजाए हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहें और जीत के बारे में ही सोचें।

सीखने को रहें तत्पर

किसी भी क्षेत्र में कभी कोई शत-प्रतिशत पूर्ण या पारंगत नहीं होता। ऐसे में सीखने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। आप किसी से भी सीख सकते हैं, फिर वह उम्र में आपसे बड़ा हो या छोटा। हो सकता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम या उसके खिलाड़ी से आपको कुछ सीखने को मिल जाए। आप तभी सीख सकते हैं, जब आप इसके लिए उत्सुक रहेंगे। अपना दिमाग, आंखें और कान खुले रखेंगे।

हार से सबक

हो सकता है कि आप कभी किसी टीम या खिलाड़ी से बार-बार हार रहे हों। इससे आपकी हताशा बढ़ रही हो। आप अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए जितना परेशान होते हैं, परिणाम और बुरा होता जाता है। अगर कभी ऐसा होता है, तो चिंतित होने के बजाए सबसे पहले यह सोचें कि आखिर आपसे चूक कहां हो रही है। आखिर ऐसी कौन-सी कमजोरी है, जिसका फायदा प्रतिद्वंद्वी को मिल रहा है? उस कमजोरी को तलाशें और थोड़ी अतिरिक्त मेहनत करके उस पर काबू पाएं। हो सके, तो इस बारे में किसी कोच या सीनियर खिलाड़ी की मदद भी लें।

एशिया कप:

एशिया कप 2025 के मैच की बदल गई टाइमिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2026 की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होगी और इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट इस बार टी20 प्रारूप में खेला जाएगा और इसके मैच की शुरुआत शाम 7.30 बजे होनी थी, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक अब मैच के समय में बदलाव किया जा सकता है।

7.30 की जगह रात 8 बजे से शुरू हो सकता है मैच

रिपोर्ट के मुताबिक एशिया कप 2025 के मैचों की शुरुआत अब शाम 7.30 बजे की जगह रात 8 बजे से किया जा सकता है। ऐसा फैसला यूएई में काफी गर्म कंडीशन को देखते हुए लिया गया है। अब तक जो शेड्यूल सामने आया है उसके मुताबिक सारे के सारे मैच शाम 7.30 बजे से खेले जाएंगे। वैसे मैच अब रात 8 बजे शुरू होगा इसको लेकर एशियन क्रिकेट काउंसिल की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और ये अभी सिर्फ रिपोर्ट है।

19 मैचों का होगा आयोजन

एशिया कप 2025 में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस बार लीग, सुपर 4 और फाइनल समेत कुल 19 मैच खेले जाएंगे। इस बार ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को रखा गया है जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका की टीमें हैं। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा।

एशिया कप का ऐसा होगा फॉर्मेट

इस बार प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर फोर के लिए क्वालीफाई करेंगी। फिर सुपर फोर में प्रत्येक टीम अन्य तीन टीमों से एक-एक बार भिड़ेगी। सुपर फोर चरण की दो टीमें फाइनल खेलेंगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान एशिया कप में तीन बार तक भिड़ सकते हैं। हालांकि उनका ग्रुप चरण का मुकाबला 14 सितंबर को होना है, लेकिन अगर वे दोनों सुपर फोर चरण के लिए एक साथ क्वालीफाई करते हैं, तो वे 22 सितंबर को एक बार फिर भिड़ सकते हैं।

एशिया कप 2025 का पूरा कार्यक्रम (ग्रुप स्टेज)

9 सितंबर (मंगलवार)- अफगानिस्तान बनाम हांगकांग
10 सितंबर (बुधवार)- भारत बनाम यूएई
11 सितंबर (गुरुवार)- बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर (शुक्रवार)- पाकिस्तान बनाम ओमान
13 सितंबर (शनिवार) -बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर (रविवार)- भारत बनाम पाकिस्तान
15 सितंबर (सोमवार)- श्रीलंका बनाम हांगकांग
16 सितंबर (मंगलवार)- बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान
17 सितंबर (बुधवार)- पाकिस्तान बनाम यूएई
18 सितंबर (गुरुवार) -श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान
19 सितंबर (शुक्रवार)- भारत बनाम ओमान

बीडब्ल्यूवर्ल्ड चैम्पियनशिप 2025

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने रचा इतिहास

पीवी सिंधू मेडल से चूकीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस में खेली जा रही वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत का एक मेडल पक्का हो गया है. भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए इस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है.

साल 2022 के बाद इस जोड़ी ने दूसरी बार इस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है. अब ये जोड़ी इस चैंपियनशिप में अपने मेडल के कलर को बदलना चाहेगी. उधर, भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मेडल से चूक गईं. उन्हें क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है. पीवी सिंधू वर्ल्ड चैंपियनशिप में अब तक 5 मेडल जीत चुकी हैं. भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया. पुरुष के डबल्स मुकाबले में इस जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी

आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली. इसके साथ ही उन्होंने मलेशियाई जोड़ी से पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल और साल 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में मिले हार का बदला भी ले लिया है.

इससे पहले सात्विक और चिराग ने साल 2022 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. जहां उन्हें सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक से हार का सामना करना पड़ा था. इसकी वजह से इस जोड़ी को ब्रांज मेडल से ही संतोष करना पड़ा था, लेकिन इस बार दोनों खिलाड़ी अपने मेडल के कलर को हर हाल में बदलना चाहेंगे. उधर, भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को क्वार्टरफाइन में हार का सामना करना पड़ा.

पीवी सिंधु का सफर हुआ खत्म

पीवी सिंधु का छठा वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में छठा पदक जीतने का सपना क्वार्टरफाइनल में टूट गया. क्वार्टरफाइनल में सिंधु को इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. राउंड ऑफ-16 में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चाइना की वांग जी यी को केवल 48 मिनट में 21-19, 13-21, 21-15 से हराकर चौंकाने के बाद, सिंधु ने वर्दानी के सामने पहला गेम 14-21 से गंवा दिया, लेकिन दूसरे गेम में 21-13 से दबदबा बनाकर मैच बराबरी पर ला दिया. निर्णायक गेम में पुत्री कुसुमा वर्दानी ने नियंत्रण हासिल कर लिया, जिससे सिंधु की हार तय हो गई और जोरदार वापसी के बावजूद भारतीय स्टार पदक की दौड़ से बाहर हो गईं. पीवी सिंधु को इस मुकाबले में 14-21, 21-13, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा.

बात संजू सैमसन के ट्रेड की हो रही थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स से विदा हो गए राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की राहें जुदा हो गई हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर शनिवार (30 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। उसने यह भी बताया कि मुख्य कोच के बजाय उन्हें कोई और पद संभालने की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। राहुल द्रविड़ बीते साल भारतीय टीम के मुख्य कोच के पद से हटने के बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से वापस जुड़े थे। द्रविड़ की 1 सीजन बाद ही मुख्य कोच के पद से ऐसे समय छुट्टी हुई है जब फ्रेंचाइजी और कप्तान संजू सैमसन के बीच सबकुछ ठीक न होने की बातें चल रही थीं। ऐसी खबरें आई थीं कि संजू ने राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड या रिलीज करने को कह दिया था। राहुल द्रविड़ के पद से हटने की जानकारी देते हुए फ्रेंचाइजी ने कहा, राजस्थान रॉयल्स ने आज घोषणा करती है कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी के साथ कार्यकाल समाप्त होगा। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफर के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मजबूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

द्रविड़ ने बड़े पद की पेशकश को ठुकराया: राजस्थान रॉयल्स ने कहा, फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक बदलाव के तहत राहुल को फ्रेंचाइजी में एक बड़े पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और दुनियाभर के लाखों प्रशंसक फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

Duleep Trophy: भारत के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान ने जड़ा ताबड़तोड़ शतक, फर्स्ट क्लास करियर की 8वीं सेंचुरी ठोकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के पहले क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन शनिवार (30 अगस्त) को ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की दूसरी पारी में भारत के अंडर-19 वर्ल्ड कप चैंपियन कप्तान यश ढुल ने बेहतरीन शतक जड़ा। दिल्ली के इस खिलाड़ी ने 112 गेंदों पर ताबड़तोड़ शतक जड़ा। 22 साल के ढुल ने 31वें मैच में फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक जड़ा। 90 रन के बाद ढुल ठोड़े दबाव में दिखे। कई बार वह शॉट लगाने की कोशिश में बचे। ऐसा खासकर मोहम्मद शमी के खिलाफ हुआ। अच्छी बात यह रही कि वह आउट नहीं हुए। ढुल और कप्तान अंकित कुमार 150 रनों से ज्यादा की साझेदारी करके क्रीज पर डटे हुए हैं। नॉर्थ जोन के पास लगभग 400 की बढ़त है। ढुल ने 1 रन लेकर शतक पूरा किया। इस दौरान अपनी पारी के दौरान 11 चौके और दो छक्के लगाए हैं और 48 रन जीवनदान मिलने के अलावा उन्होंने शायद ही कोई गलती की हो। ढुल ने पहली पारी में 39 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन की पहली पारी में 405 रन के जवाब में ईस्ट जोन 230 रन पर आउट हो गई। पहली पारी के आधार पर नॉर्थ जोन को 175 रन की बढ़त मिली।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन, कहा- उनके पास काफी अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना ??है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है।

रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा। रैना ने कहा, रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप

खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।

रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

रोहित और विराट ने मई की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। जिससे इंग्लैंड के अहम दौरे से ठीक पहले भारतीय टेस्ट टीम में एक बड़ा खालीपन आ गया।

नीतीश राणा ने 42 गेंदों में ठोका शतक, लगाए 15 छक्के, दिग्वेश राठी से आ गई मारपीट की नौबत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 एलिमिनेटर मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नीतीश राणा का बल्ला जमकर चला. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ उन्होंने केवल 42 गेंदों में शतक ठोककर अपनी टीम को इस लीग के क्वालिफायर-2 में पहुंचा दिया. इस दौरान उन्होंने 15 छक्के ठोक दिए. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलने वाले नीतीश राणा ने मैच के दौरान किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और उनकी जमकर पिटाई की.

इसी बीच साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के स्पिनर दिग्वेश राठी ने उनकी लड़ाई भी हो गई. इस दौरान मारपीट की भी नौबत आ गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में पहले बल्लेबाज करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन बनाए. इसके जवाब में वेस्ट दिल्ली लायंस ने 17 गेंद शेष रहते सात विकेट से मुकाबला जीत लिया. वेस्ट दिल्ली के कप्तान नीतीश राणा ने केवल 42 गेंदों में शतक ठोककर इस मैच को बिल्कुल एकतरफा कर दिया. उन्होंने 55 गेंदों में 8 चौके और 15 छक्कों की मदद से नाबाद 134 रन बनाए.

इस दौरान उन्होंने साउथ दिल्ली के सभी गेंदबाजों की खूब पिटाई की. नीतीश ने दिग्वेश राठी के एक ओवर में लगातार 3 छक्के ठोक दिए. इस ओवर में दिग्वेश राठी ने 20 रन खर्च कर दिए. नीतीश राणा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज क्रिस यादव 22 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए. मयंक गोसाई ने नाबाद 15 रन बनाए. साउथ दिल्ली की ओर से सुमित कुमार बेनीवाल ने दो विकेट हासिल किए. अमन भारती को एक विकेट मिला. इससे पहले साउथ दिल्ली के बल्लेबाजों ने शानदार बैटिंग की. वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ

डीपीएल 2025:

दिल्ली सुपरस्टार्ज ने अच्छी शुरुआत की. सलामी बल्लेबाज अंकुर कौशिक (16) और अनमोल शर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई. इन दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 44 गेंदों पर 67 रन लिए. इसके बाद अंकुर कौशिक पवेलियन लौट गए. 76 के स्कोर पर टीम को दूसरा झटका कुंवर बिधूड़ी के रूप में लगा. वो केवल 6 रन ही बना पाए. इसके बाद अनमोल शर्मा भी आउट हो गए. अनमोल ने 39 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए. इसके बाद कप्तान तेजस्वी दहिया और सुमित माथुर ने तेजी से रन बनाने शुरू किए और टीम को बड़े स्कोर तक ले गए. तेजस्वी दहिया ने 33 गेंदों में 2 चौके और 6 छक्कों की मदद से 60 रनों की शानदार पारी खेली. सुमित माथुर ने 26 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 48 रन बनाए. इनकी शानदार बल्लेबाजी की मदद से साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन बनाए. वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से ऋतिक शौकिन ने दो विकेट हासिल किए.

शुभम दुबे, शिवांक वशिष्ट और अनिरुद्ध चौधरी ने एक-एक विकेट लिया. वेस्ट दिल्ली लायंस की बैटिंग के दौरान नीतीश राणा और दिग्वेश राठी की लड़ाई हो गई.

दिग्वेश ने लुटाए इतने रन

वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ दिग्वेश राठी ने खूब रन लुटाए. उन्होंने 2 ओवर में 39 रन दे दिए. इसके बाद उन्होंने गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला.

जब मैदान में भिड़ गए नीतीश राणा और दिग्वेश राठी

वेस्ट दिल्ली लायंस की पारी के दौरान कप्तान नीतीश राणा तेजी से रन बना रहे थे. उन्होंने साउथ दिल्ली के स्पिनर दिग्वेश राठी में तेजी से रन बनाए. इस दौरान उनके एक ओवर में लगातार 3 छक्के लगाए. इससे दिग्वेश राठी बौखला गए थे. इस दौरान दिग्वेश राठी गेंदबाजी करने के लिए आते हैं. नीतीश राणा स्ट्राइक पर थे. दिग्वेश ने गेंदबाजी के लिए चले, लेकिन वो गेंद को हाथ से नहीं छोड़ा. इस गेंद पर नीतीश स्विप शॉट लगाना चाहते थे. अगली गेंद पर जैसे ही दिग्वेश गेंदबाजी करने वाले थे, वैसे ही नीतीश पीछे हट गए. इसके बाद दोनों में बहस शुरू हो गई. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर इकबाल के साथ की गणपति कीआरती

पूरे देश में इन दिनों गणेश उत्सव की धूम है। बॉलीवुड सेलेब्स भी इस त्योहार को धूमधाम से मना रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने अपने पति जहीर इकबाल संग गणपति बप्पा की आरती की। इसका एक प्यारा वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में वो गणेश जी की आरती गाती हुई दिखाई दे रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने इसे शेयर करते हुए लिखा, ? गं गणपतये नमः। आप सबको गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं, बप्पा हम सबको शांति, प्रेम और धैर्य प्रदान करें। यह वीडियो अर्पिता खान शर्मा के घर का है। इस साल यह उत्सव उनके घर पर आयोजित किया गया, जहां सलमान ने गणपति बप्पा का स्वागत किया था। इस दौरान सलमान खान सहित उनके परिवार वालों ने गणपति जी की आरती की। इसका एक वीडियो वीरवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें सलमान खान, उनके पिता सलीम खान, भाई अरबाज आदि आरती करते दिख रहे थे। यही नहीं, एक्टर रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस वीडियो में फूलों से सजी गणपति की मूर्ति बहुत ही सुंदर लग रही थी। यहीं पर सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इबाल भी गए थे। दोनों के खान परिवार से अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए यह कपल सलमान खान और उनके परिवार के हर कार्यक्रम में दिखाई दे जाता है। इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर रोड ट्रिप का एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में जहीर इकबाल गाड़ी चलाते दिख रहे थे और सोनाक्षी के साथ मिलकर मशहूर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का गाना हो गया है तुझको तो प्यार सजना पर मजेदार रील बनाते दिखे थे। सोनाक्षी ने इस वीडियो को कैप्शन दिया, रोड ट्रिप गोल्स! बाकी वीडियो देखने के लिए यूट्यूब पर जाएं। सोनाक्षी और जहीर की पहली मुलाकात साल 2013 में सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी, लेकिन दोनों 2017 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म ट्यूबलाइट की स्क्रीनिंग पार्टी के दौरान करीब आए। उस दिन दोनों ने घंटों बात की और यहीं से उनकी दोस्ती प्यार में बदली। 7 साल तक रिलेशन के बाद दोनों ने 23 जून 2024 को मुंबई में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल थे।

अंकिता लोखंडे ने अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर की शेयर

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने शुक्रवार को अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम शेयर की हैं। वे रेड कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। इन दिनों गणपति उत्सव की धूम है। अभिनय की दुनिया में भी इसे खूब धूमधाम से मनाया जा रहा है। फिल्मों से लेकर छोटे पर्दे तक के सितारों ने अपने घर गणपति बप्पा का स्वागत किया है। इस फेस्टिवल की झलक सितारे सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने आज शुक्रवार को एक पोस्ट शेयर किया है।

ट्रेडिशनल लुक में नजर आई अंकिता

अंकिता ने लाल रंग की साड़ी में अपनी दिलकश फोटोज शेयर की हैं। वे ट्रेडिशनल लुक में सजी-संवरी दिख रही हैं। रेड कलर की साड़ी में सिंदूर फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा है, छह गज की लाल साड़ी, चमकता सिंदूर... इस गणपति उत्सव में शक्ति, प्रेम और उत्सव की ऊर्जा का संचार।

विक्की पर आग बबूला हुई अंकिता

इस बीच अंकिता और उनके पति विक्की जैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, विक्की जैन अभिनेत्री रश्मित देसाई के बाल ठीक करते दिख रही हैं। इस दौरान उनका कुर्ती रश्मि के बालों में अटक जाता है। अंकिता लोखंडे आकर रश्मि की जुल्फों से विक्की का कुर्ता हटाती हैं। इस दौरान वे विक्की की तरफ कुछ इस अंदाज में देखती हैं, जैसे गुस्से में घूर रही हों।

संक्षिप्त समाचार

एनकाउंटर के बाद पकड़ा गया कुख्यात लुटेरा पप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक एनकाउंटर के बाद हरियाणा के मेवात निवासी कुख्यात अपराधी पप्पी उर्फ पप्पू को आखिरकार एसटीएफ साउथ ईस्ट ने धर दबोचा। यह शातिर अपराधी, जो दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और केरल तक पुलिस की वांछित सूची में शामिल था, अब सलाखों के पीछे है।

मुठभेड़ में चला दिमाग और दम- एसटीएफ की तेज-तर्रार टीम ने तुगलकाबाद की सड़कों पर पप्पी को घेर लिया। सूत्रों के मुताबिक, पप्पी ने भागने की कोशिश की, लेकिन एसटीएफ की मुस्तैदी के आगे उसकी एक न चली। मुठभेड़ के दौरान कोई चोट तो नहीं आई, मगर पप्पी का अपराध का खेल खत्म हो गया।

पिस्तौल, गोलियां और चोरी की बाइक बरामद- पुलिस ने पप्पी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल, चार जिंदा गोलियां और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पप्पी का अपराधी रिकॉर्ड किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं। एटीएम लूट से लेकर ऑटो चोरी तक, उसने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और केरल में कई वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि उसकी गिरफ्तारी से कई पुराने मामले सुलझने की उम्मीद है।

सेवादार की हत्या पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में बीती रात हुई हत्या ने सबको दहशत में डाल दिया है। राजधानी की कानून व्यवस्था को धता बताते हुए कुछ लोगों ने चुन्नी प्रसाद को लेकर हुए विवाद में योगेंद्र सिंह नाम के एक सेवादार की बेरहमी से हत्या कर दी। योगेंद्र सिंह पिछले 14 से 15 सालों से कालकाजी मंदिर में सेवादार के

रूप में सेवा कर रहे थे। इस घटना पर दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने सीधे भाजपा सरकार से पूछा कि दिल्ली में कोई सुरक्षित है भी या नहीं? कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या पर केजरीवाल ने कहा कि कालकाजी मंदिर के अंदर सेवादार की निर्मम हत्या करने से पहले इन बदमाशों के हाथ नहीं कांपे? ये कानून व्यवस्था की विफलता नहीं तो और क्या है? भाजपा के चारों इंजनों ने दिल्ली का ये हाल कर दिया है कि अब मंदिरों में भी ऐसी वारदातें हो रही हैं।

दिल्ली-एनसीआर में गांजा बेचने वाले गिरफ्तार

ओडिशा से ऐसे छिपाकर लाते थे खेप

नोएडा , एजेंसी। नोएडा के फेज-दो थाना पुलिस/सीआरटी और स्वॉट-दो टीम ने गुरुवार शाम ओडिशा से सस्ते दाम पर गांजा लाकर दिल्ली-एनसीआर में महंगे दाम पर बेचने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 40 लाख रुपये कीमत का कुल एक कुंतल 82 किलो से अधिक का गांजा और आइसर कैंटर बरामद किया। सेंट्रल नोएडा जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में गांजा तस्करों के बारे में सूचनाएं मिल रही थीं। सूचना को पुख्ता कर तीनों टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर कुलेसरा स्थित निम्मी विहार पुस्ता से तीन संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। उनकी निशानदेही पर आइसर कैंटर बरामद कर लिया। उसमें बोरियों में रखा गांजा बरामद हुआ, जिसका वजन एक कुंतल 82 किलो 350 ग्राम था।

गांजे की बाजार में कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई जा रही है। तीनों आरोपियों की पहचान मेरठ के रोहटा रोड स्थित जवाहर नगर निवासी अजय कुमार, हरियाणा के गुरुग्राम के डुंडाहेड़ा निवासी नीरज वत्स और जिला बिजनौर के बड़ापुर गांव निवासी हिमांशु जाटव के रूप में हुई। अजय कुमार पांचवीं, नीरज सातवीं और हिमांशु अशिक्षित है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा राज्य से सस्ते दामो में गांजा खरीदकर कैंटर गाड़ी में चोरी छिपे लेकर आते थे, जिसे दिल्ली-एनसीआर में तस्करों को ऊंचे दाम पर बेच देते थे। पुलिस उनके अन्य साथियों को पकड़ने का भी प्रयास कर रही है। इस गिरोह को पकड़ने वाली टीम को डीसीपी ने 25 हजार रुपये का इनाम देने की भी घोषणा की है।

दिल्ली चिड़ियाघर को किया गया अचानक बंद

अंदर फैल रही खतरनाक बीमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चिड़ियाघर में एक बार फिर बर्ड फ्लू ने दस्तक दी है, जिसके चलते शनिवार से चिड़ियाघर को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। यह फैसला दो पेंटेड स्टॉर्क्स की मौत के बाद लिया गया, जिनके सैंपल में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई है।

बर्ड फ्लू की दस्तक, सैंपल ने खोली पोल- बुधवार को दिल्ली चिड़ियाघर ने दो मृत पेंटेड स्टॉर्क्स के सैंपल भोपाल के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज को भेजे थे। 28 अगस्त की शाम को आई रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया, क्योंकि दोनों सैंपल्स में ।।5ह1 वायरस की मौजूदगी पाई गई। यानी, बर्ड फ्लू ने चिड़ियाघर में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है।

सावधानी बरतने में जुटा चिड़ियाघर- चिड़ियाघर के डायरेक्टर संजीत कुमार ने बताया कि हालात को काबू में करने के लिए तुरंत कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने मंत्रालय की 'एवियन इन्फ्लुएंजा के लिए तैयारियों, नियंत्रण और रोकथाम के दिशानिर्देश (संशोधित-2021)' के तहत कड़े कदम उठाए हैं। जैव-सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं ताकि यह बीमारी अन्य जानवरों, पक्षियों या कर्मचारियों तक न फैले। निगरानी तेज कर दी गई है, और अगले 21 दिनों तक पक्षियों के सैंपल की रैंडम जांच होगी।

पहले भी आ चुका है ऐसा संकट- यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली चिड़ियाघर को बर्ड फ्लू की वजह से बंद करना पड़ा है। साल 2021 में भी सात पक्षियों के मल के सैंपल में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी, जिसके बाद चिड़ियाघर को बंद करना पड़ा था। इससे पहले अक्टूबर 2016 में भी एक बीमारी के प्रकोप ने चिड़ियाघर को अस्थायी तौर पर बंद करने पर मजबूर किया था। जू के एक अधिकारी ने बताया, हम हालात पर पैनी नजर रख रहे हैं। अगर इस दौरान कोई और मौत नहीं होती, तो हर 15 दिन में कम से कम तीन बार टेस्ट किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित हो कि चिड़ियाघर पूरी तरह वायरस मुक्त है। लेकिन अगर बीच में कोई मौत होती है, तो टाइमलाइन रीसेट होगी और स्थिति के हिसाब से फैसला लिया जाएगा।

2010 के बाद इस बार

दिल्ली में अगस्त में सबसे अधिक बारिश

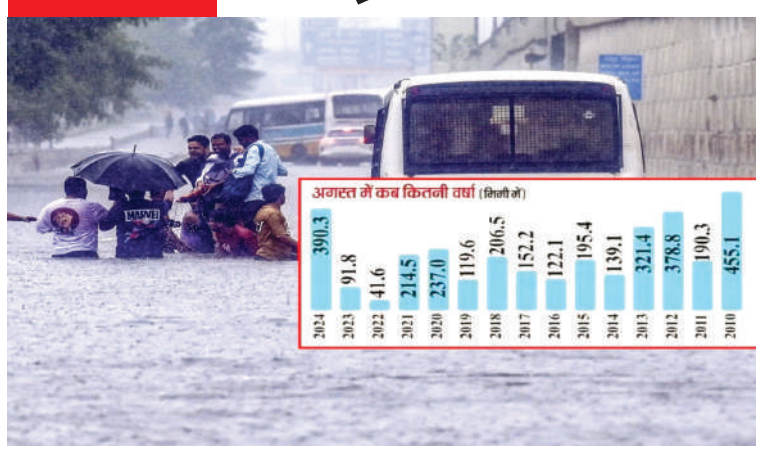

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को निम्न से मध्यम स्तर की बारिश दर्ज की गई। कई इलाकों में जलभराव से यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2010 के बाद अगस्त के महीने में अब तक सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। 2010 में अगस्त में कुल 455 मिमी बारिश हुई थी।

इस साल अगस्त के महीने में अब तक कुल 399.7 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालांकि अगस्त समाप्त होने में अभी दो दिन शेष हैं। शुक्रवार को मौसम विभाग ने राजधानी में बारिश की स्थिति को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी जारी की। राजधानी के मध्य, दक्षिणी और दक्षिण पूर्वी हिस्सों में बारिश हुई।

लोधी रोड इलाके में 36 मिमी बारिश : मौसम विभाग के अनुसार, सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे के बीच सफदरजंग मौसम केंद्र ने 56.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। लोधी रोड में 34.8 मिमी और आया नगर में 11.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। दोपहर बाद भी कई स्थानों पर गरज-चमक और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। शाम 5:30 तक सफदरजंग में लगभग 64 मिमी बारिश दर्ज की गई।

तापमान में कमी आई :

अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस कम था। न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम था। राजधानी में आर्द्रता का स्तर अधिकतम 100 फीसदी तथा न्यूनतम स्तर 85 फीसदी दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शनिवार को सामान्य रूप से बादल छाए रहने तथा गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा

अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस , एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है। गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं।

वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति

का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं। आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है। इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी।

हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा। हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे। इनमें से ज्यादातर को 61 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था।

अमेरिका में बीच सड़क पर मार्शल आर्ट दिखा रहा था सिख युवक, पुलिस ने मार दी गोली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स द्वारा बीच सड़क पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका का प्रदर्शन किया जा रहा था। इसके बाद लॉस एंजिलिस की पुलिस वहां पहुंची और उसे गोली मार दी गई। शख्स की पहचान 36 साल के गुरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। वह सिख समुदाय से आता था। आरोप है कि गुरप्रीत ने पुलिस पर हमला करने की भी कोशिश की। पुलिस ने कहा कि वह क्रिप्टो कॉम एरिना के पास कुल्हाड़ी लेकर घूम रहा था। यह कुल्हाड़ी दरअसल खंडा थी, जिसका इस्तेमाल भारतीय मार्शल आर्ट में किया जाता है। यह एक तरह की दोधारी तलवार होती है। मामला 13 जुलाई का है। लॉस एंजिलिस पुलिस डिपार्टमेंट को डायल 911 कई कॉल रिसीव हुई थी। इसमें बताया गया कि एक व्यक्ति फिगेरोआ स्ट्रीट और ओलंपिक बुलेवार्ड के बिजी चौराहे पर वहां से गुजरने वाले लोगों पर ब्लेड घुमा रहा है। पुलिस के मुताबिक, गुरप्रीत सिंह ने अपनी गाड़ी बीच सड़क पर ही छोड़ दी। जब उसे हथियार छोड़ने के लिए कहा गया, तो उसने अनसुना कर दिया। कहा ये भी जा रहा है कि उसने हथियार से अपनी जीभ काटने की भी कोशिश की। उसने पुलिस पर बोतल फेंकी और वहां से भागने की भी कोशिश की। वह तेज रफ्तार से गाड़ी भगाने लगा और अंत में उसकी गाड़ी एक पुलिस व्हीकल से टकरा गई। उसने फिर से पुलिस पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद उसे पुलिस ने गोली मार दी। पुलिस ने कहा कि दो फीट लंबा चाकू बरामद किया गया। घटना में किसी अन्य के घायल होने की खबर नहीं है।

यूक्रेन युद्ध के लिए भारत नहीं, अमेरिकी अधिकारी जिम्मेदार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के एक यहूदी संगठन ने उन अधिकारियों की आलोचना की है, जिन्होंने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत की निंदा की है। संगठन ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के लिए भारत जिम्मेदार नहीं है और अमेरिका-भारत संबंधों को फिर से सुधारने की जरूरत है। ट्रंप प्रशासन के कुछ सदस्यों ने हाल ही में भारत आरोप लगाया है कि रूस से उर्जा खरीदकर भारत राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की युद्ध मशीन को फंडिंग कर रहा है। अमेरिकी यहूदी समिति ने शुक्रवार को कहा कि व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की ओर से भारत पर लगाए गए आरोप गलत और अपमानजनक हैं। नवारो ने इसे मोदी का युद्ध कहा और यह भी कहा कि शांति की राह नई दिल्ली से होकर गुजरती है। यहूदी संगठन ने कहा, हम समझते हैं कि भारत उर्जा जरूरतों के कारण रूस से तेल खरीदता है, लेकिन भारत पुतिन के युद्ध अपराधों का दोषी नहीं है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार भी है। संगठन ने कहा, अब इन अहम संबंधों को फिर से मजबूत करने का समय है। नवारो ने पिछले कुछ दिनों में भारत को निशाना बनाया है। उनकी ओर से ये बयान तब सामने आए, जब वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच व्यापार और टैरिफ को लेकर तनाव बढ़ा। ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया है।

चीन पर सख्त रुख, एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं।

इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10 तक

सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं।

संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी।

आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।